RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 308 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 08-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री चाहते हैं कि युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें : राहुल गांधी

6 डेमोग्राफी बदलाव भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

7 'पेद्दी' विवाद पर डिंपल हयाती ने जाह्नवी कपूर का बचाव किया

बढ़ता रक्षा उत्पादन, देश में ही बन रहे अधिकांश उपकरण : राजनाथ सिंह

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि देश का रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और अधिकांश उपकरण अब देश में ही बन रहे हैं। लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कैंट विधानसभा के कैंट मंडल-एक में आयोजित प्रबुद्धजन एवं वरिष्ठ जन संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में यहां सांसद बनने के बाद लखनऊ की प्रमुख समस्या यातायात जाम थी और इसे दूर करने के लिए रिंग रोड परियोजना को प्राथमिकता दी गई, जिसका लाभ आज शहरवासियों को मिल रहा है। एक बयान के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लखनऊ महानगर इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री ने कहा, लखनऊ अब रक्षा उत्पादन और अनुसंधान का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना समेत कई रक्षा इकाइयों को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के विस्तार से युवाओं को शोध और नवाचार के नए अवसर मिल रहे हैं।

सिंह ने बताया कि देश का रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और अधिकांश उपकरण अब स्वदेशी ही बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, प्रदेश में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो चुका है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे जैसी अहम परियोजनाएं भी जल्द शुरू होंगी। लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर समेत अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश में लगभग दो लाख स्टार्टअप हैं। सिंह ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और नवाचार देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मस्तक किसी भी परिस्थिति में झुकने नहीं दिया जाएगा।

भारत-सीमा विवाद को कूटनीति और खुले दिल से सुलझाना चाहता है नेपाल : शिशिर खनाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रविवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद को काठमांडू कूटनीति के माध्यम से सुलझाना चाहता है क्योंकि अगर दोनों पक्ष ''खुले दिल'' से एक साथ बैठें तो कोई भी समस्या बहुत बड़ी नहीं है। खनाल ने कहा कि नेपाल की नई सरकार भारत को 21वीं सदी की भू-राजनीति के विकृत, ''अति संवेदनशील नजरिए'' से नहीं देखती बल्कि दोनों देशों की समग्र समृद्धि के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाना चाहती है। नेपाली विदेश मंत्री की ये टिप्पणियां विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी व्यापक वार्ता के एक दिन बाद आईं।

खनाल ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को भारत की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की, लेकिन यह यात्रा नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद पर हालिया टिप्पणियों से उपजे विवाद से प्रभावित रही। खनाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, जब हम खुले मन से बैठते हैं, तो कोई भी समस्या बहुत बड़ी नहीं होती और कोई भी सीमा बहुत जटिल नहीं होती।

उन्होंने कहा, ''हम भारत की ओर खुले दिल से, स्पष्ट दृष्टि से और एक पारदर्शी एजेंडे- नेपाल का आर्थिक रूपांतरण, के साथ देखते हैं।'' खनाल ने कहा, ''अति-राष्ट्रवादी दृष्टिकोण में लिप्त होने के बजाय, हम मुद्दों को सुलझाने के लिए शांत और आंकड़ों पर आधारित दृष्टिकोण अपना रहे हैं।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मजबूर कानून

धारा की कारा में उलझा
होता कानून सदा बेबस।
भावुकता आँसू या धरने,
उसको कर सकते नहीं विवश।
उसको सुनना ही होता है,
विधि सम्मत सारे तर्क बहस।
जज मनमर्जी कर बैठे तो,
सिस्टम हो सकता तहस-नहस।।

विपक्षी गठबंधन 'इंडि' की आज बैठक

नई दिल्ली/भाषा। हालिया विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय आधार वाली तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की हार के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच, विपक्षी 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के 23 राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने की रणनीति फिर से तय करने और मतभेद दूर करने के लिए सोमवार को बैठक करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी के 'कॉन्स्टीट्यूशन क्लब' में होने वाली इस बैठक में कांग्रेस के राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के उद्धव ठाकरे समेत विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि 23 राजनीतिक दलों ने सोमवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होने वाली इंडिया' की बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी गुट अपनी विविधता के बावजूद एकजुट है।

न्यायपालिका में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के सूत्रधार हैं युवा वकील : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि युवा वकील, न्यायिक अधिकारी और विधिक पेशेवर न्यायपालिका के तकनीकी परिवर्तन के लिए एक उत्साहवर्धक स्रोत हैं। 'ऑक्सफोर्ड यूनियन में कॉन्स्टिट्यूशनल प्रॉमिस टू डिजिटल रियलिटी : सेफगार्डिंग जस्टिस इन द एज ऑफ एआई एंड टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट' विषय पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि प्रौद्योगिकी कभी भी मनुष्यों का स्थान नहीं ले सकती।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं कानून के क्षेत्र के युवाओं की बात कर रहा हूं, भारत में ऐसे युवा आसानी से खुद को प्रौद्योगिकी के अनुरूप ढाल लेते हैं, चाहे वह जिला न्यायालय का न्यायिक अधिकारी हो, चाहे वह सरकारी वकील हो, और यहां तक कि वे लोग भी, जो कॉर्पोरेट संस्थाओं को कानूनी सलाहकार के रूप में सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ये युवा भारतीय न्यायपालिका में इन सभी सुधारात्मक परिवर्तनों को लाने में वास्तव में एक अत्यंत उत्साहवर्धक सूत्रधार रहे हैं।

भारत और इडोनेशिया ने रक्षा, सेमीकंटक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सुगियोनो की मेजबानी करते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा, समुद्री व्यापार, निवेश, दवा उद्योग और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और दोनों देशों के बीच व्यापार तथा निवेश समेत समग्र संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है। सुगियोनो इस समय नयी दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में हाल के वर्षों में मजबूत प्रगति देखी गई है। उन्होंने कहा, हमने राजनीतिक, रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री और नौवहन, व्यापार, फिनटेक, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, उर्वरक, महत्वपूर्ण खनिजों के साथ-साथ पर्यटन, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग पर सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए, बहुपक्षीय समन्वय को आगे बढ़ाने और भारत-आसियान संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। यह जानकारी भी मिली है कि दोनों मंत्रियों ने पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभावों पर भी विचार-विमर्श किया।

दुखद निधन / उठावणा

जन्म
08.02.1945

स्वर्गवास
07.06.2026

श्री नन्दकिशोरजी मालू

(सुपुत्र : स्व. श्रीमती शिवप्यारीबाई-स्व. श्री कन्हैयालालजी मालू)

अत्यन्त दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे आदरणीय श्री नन्दकिशोरजी मालू का देवलोकगमन रविवार, 07.06.2026 को प्रात: 5 बजे हो गया। विधि की विधान के आगे हम सब नतमस्तक हैं।

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धापूर्वक विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका सरल स्वभाव, कुशल व्यवहार, धार्मिक प्रवृत्ति और निश्छल व्यक्तित्व सदैव हमारे जीवन को प्रेरित करता रहे।

उठावणा : मंगलवार, 09.06.2026, सायं 4.00 बजे
स्थल : माहेश्वरी भवन, ओकलीपुरम मैन रोड, बेंगलूरु

शोकाकुल :

धर्मपत्नी : सावित्रीदेवी मालू
सुपुत्र : नवल किशोर, कमल किशोर, विमल किशोर
सुपौत्र : आदित्यविक्रम, यशवर्धन, रिषभ, मनन, ध्रुव एवं सिद्धार्थ
पड़पौत्र : आयांशविक्रम एवं एकान्श
प्रेमचन्द, ब्रजमोहन, रमेश, दिनेश, सुरेश, लक्ष्मीरमण, संतोष, मधुसुदन, विक्रम एवं समस्त मालू परिवार

MALU GROUP
SINCE 1969

Bengaluru
Kalaburagi
Belagavi
Hyderabad

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पैन इंडिया गारमेन्ट मेन्युफैक्चर्स अलायन्स व सिंगारा गार्डन रेडीमेड मर्चेन्ट एसोसिएशन चेन्नई द्वारा चेन्नई में 12 अगस्त से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय साउथ इंडिया मेगा गारमेन्ट फेयर में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधि मंडल ने बेंगलूरु के कर्नाटक होजरी व गारमेन्ट एसोसिएशन के सदस्यों से मुलाकात की तथा उन्हें गारमेन्ट फेयर की जानकारी देते हुए शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। बेंगलूरु खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, उपाध्यक्ष राजेश खेरा, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा आदि ने गारमेन्ट फेयर आयोजकों का स्वागत करते हुए उन्हें हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

मुनिश्री हितेंद्र कुमार का एकासना तप अनुमोदना कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा आरआर नगर के प्रतिनिधियों ने रविवार को मंड्या में विराजित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनिश्री विनीत कुमार जी, पुनीत कुमार जी, आकाश कुमार जी एवं हितेन्द्र कुमार जी के दर्शन किए। इस मौके पर मुनिश्री हितेंद्र कुमार जी के 3800 वें एकासन दिवस आयोजन पर उन्हें शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ मुनियों ने हितेन्द्र कुमारजी की तप की सराहना करते हुए कहा कि तपस्या का जैन धर्म में विशिष्ट महत्व है एवं तेरापंथ धर्मसंघ में भी समय समय पर अनेक तपस्याएं होती रही है। मुनि हितेन्द्र कुमार जी ने तपस्या द्वारा अपनी आत्मा को बोधित किया है। इस अवसर राजराजेश्वरीनगर के नवमनोनीत अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बोथरा सहित अनेक पदाधिकारियों व श्रावक समाज ने तप अनुमोदना कार्यक्रम भाग लिया।

तेदेपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए विजय, रामकृष्ण और सतीश को उम्मीदवार बनाया

नायडू ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों उम्मीदवारों को सौंपे 'बी-फॉर्म'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए चिंतकायाला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य सना सतीश को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। तेदेपा अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों उम्मीदवारों को 'बी-फॉर्म' सौंपे। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''चिंतकायाला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और सना सतीश ने पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवारों के रूप में नायडू से बी-फॉर्म प्राप्त किए।''

विजय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नायडू और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने साबित कर दिया है कि कठिन समय में पार्टी के साथ खड़े रहने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान और पहचान मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए वह नायडू और लोकेश के सदैव ऋणी रहेंगे तथा इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। विजय तेदेपा के राज्य महासचिव हैं और आंध्र प्रदेश में तेलुगु युवथा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिका और भारत के शैक्षणिक संस्थानों से राजनीतिक प्रबंधन और सुशासन में डिग्रियां प्राप्त की हैं।

राज्यसभा उम्मीदवार रामकृष्ण एक निजी शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष हैं, जो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कई शिक्षण संस्थान संचालित करता है। तेदेपा द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, रामकृष्ण को शिक्षा के क्षेत्र में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और उन्होंने एक धर्मार्थ ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न परोपकारी कार्य किए हैं। जानकारी के अनुसार इस ट्रस्ट ने शैक्षणिक छात्रवृत्तियों, स्वास्थ्य शिविरों, रक्तदान अभियानों, अन्नदान कार्यक्रमों और देश के विभिन्न हिस्सों में आपदा राहत कार्यों में योगदान दिया है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने फैसला किया है कि राज्य की चार आगामी राज्यसभा सीटों में से तीन पर तेदेपा चुनाव लड़ेगी, जबकि उसकी सहयोगी जन सेना पार्टी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी।

वर्तमान में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पास राज्यसभा की सात सीट हैं, जबकि तेदेपा के पास दो सीट हैं। हालांकि, 18 जून को होने वाले चुनाव के बाद इन आंकड़ों में बदलाव आने की संभावना है। आंध्र प्रदेश विधानसभा में तेदेपा के 135 विधायक हैं, जबकि जनसेना के 21 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ विधायक हैं। दूसरी ओर, वाईएसआरसीपी के पास केवल 11 विधायक हैं।

मुनिश्री विनीत कुमार का 14 को होगा नगर प्रवेश व स्वागत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। स्थानीय तुलसी चेतना केन्द्र के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को मंड्या में विराजित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनिश्री विनीत कुमार जी, पुनीत कुमार जी, आकाश कुमार जी एवं हितेन्द्र कुमार जी के दर्शन कर संतों के बेंगलूरु नगर मंगल प्रवेश एवं स्वागत समारोह हेतु चर्चा की। साथ ही मुनिश्री हितेंद्र कुमार जी के 3800 वें एकासन दिवस की अनुमोदना कर शुभकामनाएं दी। पदाधिकारियों ने संतों का स्वागत किया तथा आगामी मंगल प्रवेश कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। आयोजकों ने बताया कि 14 जून को सुबह स्वामीनारायण गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल से मंगल रैली निकाली जाएगी जो सेवा चेतना केंद्र जाएगी। मंगल प्रवेश के अवसर पर साधु-संतों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए आध्यात्मिकता, नैतिक जीवन एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम आयोजन हेतु तेरापंथी सभा, विजयनगर एवं राजराजेश्वरीनगर तथा तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

काया हिंसा से भी वचन हिंसा अनंत गुना ज्यादा खतरनाक : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने रविवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि हथियार का घाव तो समय के साथ भर जाता है परंतु वचनों का घाव अत्यंत घातक होता है जो आत्मा को व्यथित और पीड़ित कर देता है। वह भरता नहीं है। काया हिंसा से भी वचन हिंसा अनंत गुना ज्यादा खतरनाक होती है। उन्होंने कहा कि नादान व्यक्ति बोलने के बाद में सोचता है और बुद्धिमान बोलने से पहले सोचता है, क्योंकि कमान से निकला हुआ तीर और जुबान से निकले हुए शब्द लौट कर वापस नहीं आता। मधुर और अमृतवाणी अपनी आत्मा को भी संतोष प्रदान करती है। सामने वाली आत्मा को आनंदित करती है व पुण्य का संचय होता है।

मुनिवर ने कहा कि मंत्र का काम करने वाले मधुर वचन' से काले नाग और खतरनाक से खतरनाक व्यक्ति को भी वश में किया जा सकता है, मीठे वचनों से कोयल सबका मन मोह लेती है और कौवे को पत्थर मार कर भगाया जाता है। कठोर, कर्कश, मर्मकारी, छेदनकारी, परपीढ़ाकारी वचन हिंसा के प्रतीक है। वचनों में अमृत भी है और जहर भी है उपयोग करना हमारे हाथ में है।वचनों से अपने पराए हो जाते हैं और पराए अपने बन जाते हैं। साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने कहा कि वचनों से व्यक्ति के जाति, कुल की पहचान होती है और लोकप्रिय बनता है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के सात-आठ वर्षों में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि वर्तमान में लगभग नौ अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के अगले सात से आठ वर्षों में बढ़कर करीब 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

मंत्री ने यह भी कहा कि देश का अंतरिक्ष स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र कुछ वर्ष पहले एकल अंक की संख्या में था, जो आज बढ़कर लगभग 400 हो गया है। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने परमाणु क्षेत्र के कुछ हिस्सों और अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में निजी भागीदारी के लिए रास्ता खोला है, जिससे दशकों पुरानी सीमित पहुंच की व्यवस्था समाप्त हुई है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल पर विचार व्यक्त करते हुए ये बातें कहीं। मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में सोच में जो बदलाव आया है, वह सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लोगों में मैं भी यह कर सकता हूं' जैसी आकांक्षी सोच विकसित हुई है, जो पहले नहीं थी।'' उन्होंने कहा कि यह बदलाव छोटे शहरों और गैर-महानगरीय क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सिविल सेवा परीक्षा के टॉपर सामने आने में भी दिखाई देता है, जो प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अवसरों के लोकतंत्रीकरण को दर्शाता है।

प्रकृति संरक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एजी कलाश्री पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एजी सभागार में पर्यावरण दिवस के मौके पर बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुणोत ने कहा कि प्रकृति ही जीवन है और जीवन ही प्रकृति है। अगर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चों को सांस लेने के लिए शुद्ध हवा मिले, पीने के लिए स्वच्छ पानी मिले, रहने के लिए हरीभरी वसुंधरा मिले, सूरज का प्रकाश मिले तो हमें प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना बंद करना होगा। कलाश्री एवं सुचेता कलविद मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्रोफेसर रंगलक्ष्मी श्रीनिवास ने मोबाइल फोन की उपयोगिता एवं दुष्परिणाम पर प्रकाश डाला। श्रीधर कुंबले ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

संसदीय समिति ने नीट, ओएसएम से जुड़े मुद्दों पर एनटीए, सीबीएसई से जवाब मांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसकी परिभाषा में ''पेपर लीक'' किसे माना जाएगा। यह भी पूछा गया है कि वर्ष 2018 से अब तक आयोजित परीक्षाओं में क्या किसी प्रश्नपत्र के लीक होने की घटना हुई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, समिति की प्रश्नावली पिछले सप्ताह उसके समक्ष एनटीए के अधिकारियों की पेशी के बाद आई है। अधिकारियों ने समिति को बताया था कि उनकी प्रणाली से कोई पेपर लीक नहीं हुआ था। उनका दावा था कि केवल एक गेस पेपर के कुछ प्रश्न पहले से प्रसारित हुए थे, जिन्हें पेपर लीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। कांग्रेस सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय समिति नीट पेपर लीक मामले और सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) मामले की जांच कर रही है, जिसके लिए उसने एनटीए और सीबीएसई सहित शीर्ष सरकारी अधिकारियों को तलब किया है। समिति ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और एनटीए से क्रमशः ओएसएम प्रणाली और नीट परीक्षा के मुद्दों पर लिखित उत्तर मांगे हैं। समिति ने एनटीए से पूछा कि क्या उसने (सीबीआई जांच के अलावा) नीट-यूजी 2024 के प्रश्नपत्र में अनियमितताओं के आरोपों की कोई जांच कराई थी। एनटीए से पिछले तीन वर्षों के लिए उसके कर्मचारियों की संख्या और 2022 से की गई नयी भर्तियों के बारे में भी पूछा गया है। एनटीए द्वारा पिछले तीन वर्षों के लिए उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्तुत की गई वार्षिक रिपोर्ट की भी मांग की गई है। सूत्रों के अनुसार, इसमें राधाकृष्णन समिति की रिपोर्ट की 101 सिफारिशों में से प्रत्येक पर विस्तृत विवरण और एनटीए द्वारा प्रत्येक पर की गई कार्रवाई की जानकारी देने को कहा गया है।

केंद्र सरकार ने जून 2024 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति को एनटीए के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिए सुझाव देने का दायित्व सौंपा गया था। इसके तहत एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया में सुधार तथा डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर सिफारिशें देने को कहा गया था। सीबीएसई को आठ जून तक समिति के सवालों का जवाब देना होगा, वहीं एनटीए को 10 जून तक लिखित जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, दोनों एजेंसियों ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। सूत्रों ने बताया कि संसदीय समिति ने सीबीएसई से ओएसएम प्रणाली के लिए जारी विभिन्न निविदा अनुरोध प्रस्तावों में कथित बदलावों के बारे में भी जानकारी मांगी है। समिति ने यह भी पूछा है कि अनुबंध देने से पहले सीओईएमपीटी (कोएम्प्ट) की पृष्ठभूमि की कोई जांच-पड़ताल की गई थी या नहीं।

गुजरात के आठ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पाकिस्तान की सीमा से लगे गांवों में रुकेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के गुजरात के आठ वरिष्ठ अधिकारी सीमा सुरक्षा की समीक्षा और दूरस्थ इलाकों की स्थिति का आकलन करने के लिए 11 और 12 जून को भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे 16 गांवों का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी पाकिस्तान की सीमा से लगे वाव-थराद, पाटन और कच्छ जिलों के गांवों का दौरा करेंगे और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत रात में स्थानीय निवासियों के घरों में रुकेंगे। संघवी के पास गृह विभाग का प्रभार भी है।

राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि इस कवायद का उद्देश्य राज्य की अंतरराष्ट्रीय एवं अंतरराज्यीय सीमाओं पर सुरक्षा मजबूत करना और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कल्याण सुनिश्चित करना है। विज्ञप्ति में कहा गया कि इस दौरे में अधिकारी सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा करेंगे, दूरदराज के इलाकों में तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत करेंगे, रात्रि बैठकें करेंगे, सीमा पर गश्त का निरीक्षण करेंगे और सुरक्षा एवं स्थानीय प्रशासन से जुड़े मुद्दों पर ग्रामीणों से संवाद करेंगे। गुजरात की पाकिस्तान के साथ 500 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है जो कच्छ के रण से लेकर अरब सागर के किनारे स्थित सर क्रीक तक फैली हुई है।

राज्य सरकार की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) वबांग जमीर वाव-थराद जिले के असरगाम और राछेना गांवों का दौरा करेंगे जबकि एडीजीपी अजय कुमार चौधरी पूर्वी कच्छ के शिरानिवांध और जाटावाडा गांवों का दौरा करेंगे। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) बिपिन अहीरे पाटन जिले के धोकावाड़ा और चरंका गांवों का दौरा करेंगे जबकि पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) ए एम मुनिया वाव-थराद के राडोसन और गोलाप गांवों का दौरा करेंगे। पश्चिमी कच्छ में डीआईजी के एन डामोर जूना और देढिया गांवों का दौरा करेंगे, डीआईजी लीना पाटिल उधामो और पाटागर गांवों का दौरा करेंगी, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आर टी सुसरा पुराजपुर एवं गुनाऊ गांवों का दौरा करेंगे तथा डीआईजी सुधा पांडेय दिनारा और भितारा-मोटा गांवों में रुकेंगी। विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्यक्रम औपचारिक दौरा नहीं बल्कि सीमा सुरक्षा और ग्रामीण स्थिति की गहन ''समीक्षा कवायद'' है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हाइड्रा के संबंध में हिटलर वाली टिप्पणी से राजनीतिक वाकयुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस बयान की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी आलोचना की है, जिसमें रेड्डी ने कहा था कि 'हाइड्रा' एजेंसी का नामकरण करते समय उन्हें तानाशाह एडॉल्फ हिटलर से प्रेरणा मिली थी।

रेवंत रेड्डी ने बेंगलूरु में शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्होंने झीलों और जल निकायों पर व्यापक अतिक्रमण को देखने के बाद हाइड्रा की स्थापना करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''गरीब लोगों द्वारा झीलों और नालों पर अतिक्रमण करना मैं समझ सकता हूं। आजकल, अमीर लोग अपने फार्महाउस के लिए जल निकायों पर अतिक्रमण कर रहे हैं और अपनी नालियों को उनसे जोड़ रहे हैं। मैंने इन सभी समस्याओं पर ध्यान दिया, तब मैंने एक कार्य बल 'हाइड्रा' स्थापित करने का निर्णय लिया।'' उन्होंने कहा, ''हाइड्रा, यह शब्द हिटलर का पसंदीदा शब्द है। उसकी मुख्य टीम को 'हाइड्रा' कहा जाता था, जो किसी की भी हत्या कर सकती थी। इसलिए, मैंने हिटलर से प्रेरणा ली है और इसका नाम हाइड्रा रखा है।'' तेलंगाना सरकार ने जुलाई 2024 में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य झीलों जैसी सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण और अन्य अवैध गतिविधियों से बचाना है।

वनबंधु महिला समिति ने 'पर्यावरण संरक्षण' संबंधित प्रतियोगिता आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की वनबंधु परिषद, महिला समिति ने प्रेस्टिज वेस्टवुड्स अपार्टमेंट में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। उपाध्यक्ष सुनीता गुप्ता ने सभी का स्वागत किया तथा राष्ट्रीय महिला समिति की सचिव रेणु कनोडिया ने समिति के उद्देश्य एवं कार्यों की जानकारी दी। सहसंगठन मंत्री सरिता भंसाली ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर समिति की सदस्याओं ने पर्यावरण पर 'एक छोटी गलती-बड़ी समस्या' नामक नाटिका प्रस्तुत कर स्वच्छता व साफ सफाई का संदेश दिया। उपस्थित जनों ने ऊर्जा की बचत एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया। विभिन्न प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन सचिव अनीता जैन ने किया।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कनकपुरा पहुंचे शिवकुमार

मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत, बोले : मैं आपका सेवक हूं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार का अपने निर्वाचन क्षेत्र कनकपुरा की 'कृतज्ञता यात्रा' के दौरान रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों और आम जनता ने कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को अपनी प्राथमिकता बताते हुए घोषणा की कि तहसील में जल्द ही एक मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखी जाएगी।

शिवकुमार ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री बनने की इच्छा भी जताई और लोगों से इसके लिए आशीर्वाद मांगा। उन्होंने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मुझे पूरे राज्य का दौरा करना होगा, इसलिए मैं इस क्षेत्र को ज्यादा समय नहीं दे पाऊंगा। मुझे 2028 में वापस आना चाहिए, है न? या मुझे सिर्फ दो साल के लिए मुख्यमंत्री रहना चाहिए? अगर मुझे 2028 में वापस आना है, तो आपको मुझे (राज्यभर में यात्रा करने के लिए) इस जिम्मेदारी से मुक्त करना होगा (या थोड़ी छूट देनी होगी)। मैं आपके सारे काम करूंगा।

मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद शिवकुमार की पड़ोसी बेंगलूरु दक्षिण जिले में स्थित कनकपुरा की यह पहली यात्रा है। निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर लोगों से मिलने पहुंचे नए मुख्यमंत्री का सेब और अन्य फलों के बड़े हार पहनाकर, फूलों की बारिश करके और पटाखे फोड़कर स्वागत किया गया। इस दौरान समर्थकों ने डीके डीके के नारे भी लगाए। उन्होंने अपने मार्ग में आने वाले कई महत्वपूर्ण मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना भी की। शिवकुमार अपने पैतृक गांव डोड्डालहल्ली सहित क्षेत्र के करीब बीस स्थानों के दौरे पर हैं। बेंगलूरु से कनकपुरा के लिए रवाना होने से पहले संवाददाताओं से बातचीत में शिवकुमार ने कहा, वहां के लोग मुझे डोड्डालहल्ली से यहां तक लेकर आए हैं... इसलिए मेरी पहली यात्रा अपने लोगों से मिलने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मेरे निर्वाचन क्षेत्र की है। पिछले 40 वर्षों से मुझे राजनीतिक रूप से संवारने वाले लोगों का धन्यवाद करना मेरा कर्तव्य है।

सिद्दरामय्या के 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शिवकुमार ने तीन जून को 13 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। बाद में तुंगानी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा, ''मैं आज कनकपुरा आया हूं। मैंने हारोहोल्ली और कग्गलीपुरा में भी पार्टी कार्यकर्ताओं से बात की है। मैं कनकपुरा के लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और आठ बार विधानसभा के लिए चुना। आपके कारण ही आज मैं विधान सौधा में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा हूं।'' उन्होंने कहा, मैं भले ही राज्य का मुख्यमंत्री हूं और कनकपुरा के लोगों ने मुझे बार-बार अपना विधायक चुना है, लेकिन जब मैं इस निर्वाचन क्षेत्र की सीमा के भीतर हूं, तो मैं मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आपका सेवक हूं।''

क्षेत्र के विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कनकपुरा तहसील में जल्द ही एक मेडिकल कॉलेज बनेगा, ताकि लोगों को इलाज के लिए बेंगलूरु न जाना पड़े। उन्होंने कहा, ''हमें अपने लोगों को बेंगलूरु पलायन करने से रोकना होगा। उन्हें अच्छा स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास मिलना चाहिए।'' मुश्किल समय में साथ देने के लिए जनता का आभार जताते हुए शिवकुमार ने कहा, ''मैं इस बात से इनकार नहीं कर रहा हूं कि देरी हुई, लेकिन सिद्दरामय्या ने अपना वादा निभाया, पार्टी के निर्देशों का पालन किया, पद छोड़ा और मुझे मुख्यमंत्री का पद सौंपा। हम दोनों 2028 के विधानसभा चुनावों में नेतृत्व करेंगे और राज्य में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाएंगे। इसके लिए मुझे आपके समर्थन की आवश्यकता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करेंगे। इससे पहले, शिवकुमार ने सभा में मौजूद धर्मनिरपेक्ष जनता दल (एस) के कार्यकर्ताओं को भी साधने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वह केवल कांग्रेस के लिए नहीं, बल्कि उनके (जद-एस के कार्यकर्ताओं के) लिए भी उपलब्ध हैं और उनके घर के दरवाजे सबके लिए खुले हैं। शिवकुमार ने कहा, आप अपने कल्याण और क्षेत्र के विकास के लिए मेरा सहयोग ले सकते हैं। मैं हरसंभव मदद के लिए तैयार हूं।

एसआईआर : लापरवाही की तो कट जाएगा वोट

मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को आगाह करते हुए कहा कि कोई भी यह मानकर न बैठे कि उनका वोट सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि एसआईआर (विशेष गहन समीक्षा) के तहत सभी को एक बार फिर से अपना आवेदन जमा करना होगा। अगर आवेदन जमा नहीं किया गया, तो कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से आपका वोट कट जाएगा। वोट कटने पर 'गृह लक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' जैसी किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं और किसानों से अपील की कि वे बेंगलूरु जाकर सड़कों पर सामान बेचने या दुकानों में छोटी नौकरियां करने के बजाय यहीं रहकर रेशम पालन, बागवानी और डेयरी फार्मिंग (दूध का व्यापार) अपनाएं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमने इस क्षेत्र में खेती के लिए हजारों एकड़ भूमि को पानी उपलब्ध कराया है। किसी भी हाल में अपनी जमीनें न बेचें। जब इस जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण किया गया, तो भाजपा और जेडी(एस) ने हमारी भारी आलोचना की थी। लेकिन आज देखिए, नाम बदलने के बाद यहां जमीनों की कीमतें आसमान छू रही हैं। आलोचनाएं एक दिन खत्म हो जाती हैं, लेकिन हमारे किए हुए काम हमेशा कायम रहते हैं। आप सभी अब बेंगलूरु जिले के बच्चे हैं और आपको आत्म-सम्मान का जीवन जीना चाहिए।

कनकपुरा जाते समय मुख्यमंत्री शिवकुमार ने मेट्रो से यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए आयोजित 'कृतज्ञता यात्रा' में भाग लेने के लिए कनकपुरा जाते समय रविवार को मेट्रो ट्रेन से यात्रा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, एक जन-अनुकूल कदम के तहत शिवकुमार ने बेंगलूरु के निवासियों को असुविधा से बचाने के लिए मेट्रो से यात्रा करने का विकल्प चुना। उन्होंने विधान सौध स्टेशन से कनकपुरा रोड के अंतिम स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन से सफर किया और उसके बाद सड़क मार्ग से कनकपुरा के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुना। पोस्ट में कहा गया, कर्नाटक सरकार बेंगलूरु में पहुंच को बेहतर बनाने, भीड़भाड़ कम करने और तेज, सुरक्षित तथा अधिक विश्वसनीय सड़क संपर्क प्रदान करने के लिए सभी चालू मेट्रो परियोजनाओं में तेजी ला रही है। शहर के भविष्य के विकास, आर्थिक जीवन शक्ति और जीवन की गुणवत्ता के लिए एक विश्व स्तरीय सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क आवश्यक है। कार्यालय ने कहा कि मुख्यमंत्री एक ऐसे बेंगलूरु की कल्पना कर रहे हैं, जहां प्रभावी सार्वजनिक परिवहन लोगों की पहली पसंद बने, जिससे शहर हर नागरिक के लिए अधिक हरित, स्मार्ट और जुड़ा हुआ बन सके। मेट्रो यात्रा के दौरान शिवकुमार ने सह-यात्रियों का अभिवादन किया और दैनिक यात्रियों से बातचीत की। कुछ यात्रियों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

शिवकुमार ने भी अपनी मेट्रो यात्रा की तस्वीरें 'एक्स' पर पोस्ट कीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आज मुझे कनकपुरा जाने के रास्ते में साथी नागरिकों के साथ 'नम्मा मेट्रो' में यात्रा करने का अवसर मिला। अपने साथी बेंगलूरु वासियों के साथ यात्रा साझा करना इस बात की याद दिलाता है कि कर्नाटक के लोगों के जीवन में सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती सार्वजनिक परिवहन कितना महत्वपूर्ण है। ट्रेन के भीतर उनका अंदाज़ बेहद दोस्ताना और आत्मीय था। युवाओं ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बेहद उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई यात्रियों ने उनके साथ हाथ मिलाया और खुश होकर सेल्फी ली। सफर के दौरान उन्होंने एक बच्चे को दुलारते हुए चॉकलेट दी। जब एक अन्य बच्चे ने मासूमियत से कहा, मुझे भी एक फ़ोटो चाहिए, तो उन्होंने खुद मुस्कुराते हुए मोबाइल हाथ में लिया और सेल्फी खींची। उन्होंने एक युवती से मेट्रो के अनुभव पर बात की, जिस पर उसने कहा कि मेट्रो से समय की बड़ी बचत होती है। वहीं एक बुज़ुर्ग यात्री ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा, आपको यहाँ देखकर बेहद ख़ुशी हुई, ईश्वर आपका भला करे। उन्होंने ट्रेन में मौजूद विदेशी पर्यटकों से भी उनके सफ़र का अनुभव जाना।

उन्होंने कहा, बेंगलूरु हम सभी का है, और इसका भविष्य ऐसे समाधानों पर निर्भर करता है जो हर नागरिक के लिए रोजमर्रा की जिंदगी को आसान, अधिक कनेक्टेड और अधिक सुलभ बनाएं। नम्मा मेट्रो इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जेडीएस कार्यकर्ताओं के लिए भी मेरे दरवाज़े खुले हैं : डीकेशी

क्षेत्र वासियों को जमीन न बेचने की दी सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कनकपुरा में आयोजित कई आभार कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडी(एस) के कार्यकर्ताओं को खुला निमंत्रण देते हुए कहा कि वे राजनीतिक मतभेदों को भूलकर उनके पास आ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह डी.के. शिवकुमार जनता दल के कार्यकर्ताओं के लिए भी मौजूद है। मेरे दरवाज़े आपके लिए भी हमेशा खुले हैं। आप जब चाहें मेरी मदद ले सकते हैं। भगवान न तो वरदान देते हैं और न ही श्राप, वे केवल अवसर देते हैं, और हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने अतीत का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय भाजपा को दूर रखने के लिए उन्होंने अनीता कुमारस्वामी और कुमारस्वामी का समर्थन किया था, लेकिन वे अब पुरानी बातों पर चर्चा नहीं करना चाहते।

लोकसभा चुनावों के नतीजों की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को नसीहत दी। उन्होंने कहा, निर्वाचन क्षेत्र में सभी को साथ लेकर चला जाएगा और वे इस बात का आरोप किसी पर नहीं लगाएंगे कि किसने चुनाव में समर्थन किया और किसने नहीं। अगर किसी से गलतियां हुई हैं, तो उन्हें माफ कर देना चाहिए। हमारे नेताओं को किसी के प्रति दिल में नफ़रत नहीं रखनी चाहिए। राष्ट्रकवि कुवेम्पू की पंक्तियों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वे जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते और इस राज्य को सभी समुदायों के लिए 'शांति का बगीचा' बनाना चाहते हैं।

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री शिवकुमार से की बातचीत, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से राज्य और उनके देश के बीच संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, जिनमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और एक-दूसरे के यहां आवागमन को सुगम बनाने को लेकर परस्पर सहयोग प्रमुख बिंदु थे। शिवकुमार ने बताया कि मलेशिया के प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन किया और मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। शिवकुमार ने 'एक्स' पर बातचीत का एक छोटा वीडियो साझा करते हुए लिखा, ''मलेशिया के प्रधानमंत्री से बात करके बहुत प्रसन्नता हुई, जिन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी चर्चा का मुख्य विषय कर्नाटक और मलेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करना है, जिनमें विशेष रूप से शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और एक-दूसरे के यहां आवागमन सुगम बनाने को लेकर सहयोग प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक में कई मलेशियाई छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए हमारी साझेदारी को और गहरा करने की अपार संभावनाएं हैं। सिद्दरामय्या के 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद, शिवकुमार ने तीन जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

कर्नाटक में आईएएस, आईपीएस अधिकारियों का फेरबदल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में नए मंत्रिमंडल के कार्यभार संभालने के बाद पुलिस और प्रशासनिक फेरबदल के तहत सरकार ने रविवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी अंजुम परवेज को तत्काल प्रभाव से वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) नियुक्त किया। परवेज सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। तीन जून को डी के शिवकुमार के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, सरकार ने तुषार गिरिनाथ को मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया। उन्होंने अंजुम परवेज का स्थान लिया, जो तब से नयी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे थे।

आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के विशेष आयुक्त (प्रशासन, राजस्व और सूचना प्रौद्योगिकी) मुनीश मौदगिल को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव (कार्यक्रम और परियोजना कार्यान्वयन) के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस पद को सरकार के प्रधान सचिव के पद के समकक्ष दर्जा और जिम्मेदारियों वाला घोषित किया गया है। विकास विभाग (शहरी विकास और नगरपालिका) की सचिव दीपा चोलन का तबादला डॉ. प्रसाद एन.वी. के स्थान पर बेंगलूरु स्थित परिवहन विभाग के सचिव के रूप में कर दिया गया है।

लंबे समय से पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहीं कावेरी बी बी को चोलन के स्थान पर नियुक्त किया गया है। योजना, कार्यक्रम निगरानी और सांख्यिकी विभाग के सचिव डॉ. वेंकटेश एम वी का स्थानांतरण सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के रूप में किया गया है। एक अलग अधिसूचना के अनुसार आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के पुलिस महानिदेशक प्रणब मोहंती का तबादला कर उन्हें आपराधिक जांच विभाग, विशेष इकाइयों और आर्थिक अपराधों के पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात किया गया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से बेंगलूरु स्थित आपराधिक जांच विभाग के पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) का संयुक्त प्रभार भी दिया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा (खुफिया) चंद्रगुप्त का तबादला कर उन्हें निचले स्तर के पद पर खुफिया पुलिस महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। नियमों के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक (खुफिया) के पद को दर्जे और जिम्मेदारियों के लिहाज से पुलिस महानिरीक्षक, अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) के कैडर पद के समकक्ष घोषित किया गया है।

'आम और कटहल' का मेला : उमड़ा खरीदारों का सैलाब

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने जाना किसानों का हाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के प्रसिद्ध लालबाग बॉटनिकल गार्डन में आयोजित 'आम एवं कटहल मेले' में रविवार को खरीदारों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही शहर के विभिन्न कोनों से बड़ी संख्या में लोग अपनी पसंदीदा और स्वादिष्ट किस्मों के आम और उच्च गुणवत्ता वाले कटहल खरीदने पहुंचे। इस मेले की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि यहाँ किसानों द्वारा सीधे उपभोक्ताओं को फल बेचे जा रहे हैं, जिसे लेकर ग्राहकों में जबरदस्त उत्साह और भरोसा देखा गया।

इस विशेष अवसर पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने मेले का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद आम और कटहल उत्पादक किसानों से मुलाकात कर उनके काम की सराहना की और उनकी जमीनी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान किसानों ने पूर्व प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी कई प्रमुख चुनौतियाँ रखीं। जिनमें उत्पादन लागत में बढ़ोतरी, फलों का उचित मूल्य न मिलना, विपणन और बेहतर बाजार की कमी, भंडारण और सुगम परिवहन की व्यवस्था का अभी भी अभाव है।

देवेगौड़ा ने किसानों की इन सभी समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बागवानी क्षेत्र के विकास और अन्नदाताओं के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस आयोजन के दौरान बागवानी विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. एम. जगदीश, कोलार आम उत्पादक संघ के अध्यक्ष चिन्नप्पा रेड्डी और चिक्कबल्लापुर आम उत्पादक संघ के अध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

लालबाग में आयोजित इस मेले ने एक बार फिर साबित किया कि किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संपर्क कितना फायदेमंद हो सकता है। जहां एक तरफ बिचौलियों के न होने से किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर और सही दाम मिला, वहीं दूसरी तरफ आम जनता को भी ताजे, केमिकल-मुक्त और गुणवत्तापूर्ण फल बेहद किफायती कीमतों पर मिल सके। रविवार को मेले में उमड़ी यह भारी भीड़ इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह आयोजन न केवल बेहद लोकप्रिय रहा, बल्कि पूरी तरह सफल भी साबित हुआ है।

खेल व्यक्तित्व विकास का एक शक्तिशाली माध्यम है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने और आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने रविवार को बैंगलोर गोल्फ क्लब में आयोजित गवर्नर्स कप-2026 टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि गवर्नर्स कप सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि अनुशासन, धैर्य, शिष्टता और उत्कृष्टता के मूल्यों को दर्शाने वाला एक मंच है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए बैंगलोर गोल्फ क्लब के अधिकारियों, सदस्यों, आयोजन समिति, खिलाड़ियों और सहयोगियों को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा, 1876 में स्थापित बैंगलोर गोल्फ क्लब का एक समृद्ध इतिहास है और गोल्फ का खेल धैर्य, एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण और अच्छे निर्णय लेने जैसे गुणों को विकसित करता है। उन्होंने आगे कहा, जिस प्रकार जीवन में हर निर्णय महत्वपूर्ण होता है, उसी प्रकार गोल्फ में हर शॉट निर्णायक होता है। निरंतर अभ्यास, सकारात्मक सोच और आत्म-अनुशासन सफलता के मंत्र हैं। उन्होंने इन मूल्यों को अपनाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, विजेताओं को सम्मान मिलना तो स्वाभाविक है ही, लेकिन अंत तक समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले सभी प्रतियोगी प्रशंसा के पात्र हैं। जीत में विनम्रता और हार में संयम दिखाना एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान है। उन्होंने कहा, गवर्नर्स कप प्रतियोगिता की सफलता टीम वर्क, आपसी सम्मान और सौहार्द का प्रमाण है। इस प्रतियोगिता ने कई नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है और युवा खिलाड़ियों का उत्साह हमें विश्वास दिलाता है कि गोल्फ के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

राज्यपाल ने कहा, भारत सरकार के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' कार्यक्रम देश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारें खेल क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, एथलेटिक्स और गोल्फ सहित कई खेलों में कर्नाटक ने देश के लिए गौरवपूर्ण योगदान दिया है। हमारे एथलीट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं।

राजेश एक्सपोर्ट्स को पीएलआई योजना से हटा सकता है भारी उद्योग मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) आने वाले दिनों में बेंगलूरु की कंपनी 'राजेश एक्सपोर्ट्स' को उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लाभार्थियों की सूची से हटाने पर फैसला कर सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा पिछले सप्ताह पारित उस अंतरिम आदेश के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें कंपनी पर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। सूत्रों ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि मंत्रालय के भीतर इस बात को लेकर मजबूत राय बन रही है है कि कंपनी को इस योजना से हटाया जाना चाहिए। मामले को जल्द ही भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के समक्ष रखा जाएगा। एक सूत्र ने कहा, आने वाले दिनों में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सेबी ने तीन जून को जारी अपने 109 पृष्ठ के अंतरिम आदेश में आरोप लगाया है कि मुख्य रूप से सोने के आभूषण बनाने और उसका निर्यात करने वाली कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच अपने राजस्व को 15.15 लाख करोड़ रुपये बढ़ाकर दिखाया। यह इस अवधि के दौरान उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुल राजस्व का लगभग 99.8 प्रतिशत है, जिसे पूरी तरह गलत तरीके से पेश किया गया।

2022 में कांग्रेस में हुआ राजनीतिक घटनाक्रम पार्टी आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि 25 सितंबर 2022 को कांग्रेस की राज्य इकाई में हुआ घटनाक्रम पार्टी आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था बल्कि विधायकों के बीच सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं को लेकर असहमति थी। गहलोत ने कहा कि सचिन पायलट को सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए क्योंकि सच्चाई का कोई विकल्प नहीं होता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय वह कांग्रेस अध्यक्ष बनने की कतार में थे लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनीं कि साजिश जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई और उनकी छवि खराब हुई। उन्होंने सोनिया गांधी के सामने इस बात के लिए खेद व्यक्त किया कि बैठक में प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। गहलोत ने कहा, 25 सितंबर की घटना उस व्यक्ति (सचिन पायलट) के खिलाफ थी, जिसका नाम मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल था। यह आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था। उन्होंने कहा कि विधायकों ने आलाकमान के प्रति निष्ठा दिखाई और सरकार बचाई। गहलोत सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे पायलट ने 2020 में गहलोत नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी।

पायलट और कुछ विधायक हरियाणा के मानेसर में ठहरे थे और इस बगावत से राज्य में राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ, जिसे पार्टी नेतृत्व ने हस्तक्षेप कर सुलझाया। गहलोत ने कहा कि उनके खिलाफ विद्रोह की धारणा पायलट के सहयोगियों ने बनाई, जो गलत थी। उन्होंने कहा कि जब भी आलाकमान मुख्यमंत्री बदलने का निर्णय करता है, अधिकांश विधायक नए मुख्यमंत्री के साथ हो जाते हैं।

गहलोत ने कहा, सचिन पायलट को यह समझना चाहिए। वह 15-20 साल से राजनीति में हैं और अनुभव हासिल कर चुके हैं। हम उनके दुश्मन नहीं हैं। मैं उनके परिवार से बचपन से मिलता रहा हूं। गहलोत ने कहा कि पायलट ने गलती की है और उसे स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मनुष्य से गलती हो सकती है, मुझसे भी हो सकती है। उन्होंने (पायलट ने) गलती की और उसे स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने सच्चाई स्वीकार करना नहीं सीखा, इसी वजह से यह मुद्दा बना हुआ है। आज कांग्रेस संकट में है, देश संकट में है; केवल कांग्रेस ही देश को बचा सकती है। सभी नेताओं को एकजुट होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पायलट को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने में मदद की थी लेकिन पायलट ने कभी इसका उल्लेख नहीं किया। गहलोत ने कहा कि उन्होंने सब कुछ हासिल कर लिया है और संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं अब किसी पद की दौड़ में नहीं हूं। तीन बार मुख्यमंत्री रहना कोई छोटी बात नहीं है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा और कौन नहीं, यह भविष्य का विषय है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे सचिन पायलट हों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा हों, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली हों या कोई अन्य नेता, सभी को मिलकर काम करना चाहिए। गहलोत ने बताया कि हाल ही में राहुल गांधी ने पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर के दौरान डोटासरा और जूली इकाई की सराहना की।

जयपुर में इबोला संदिग्ध युवती की जांच रिपोर्ट निगेटिव

जयपुर/भाषा। इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षणों के साथ जयपुर के अस्पताल में भर्ती युगांडा की एक युवती की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। अधिकारियों ने शनिवार रात यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 19 वर्षीय युगांडा की युवती की जांच रिपोर्ट पुणे स्थित प्रयोगशाला से प्राप्त हुई है, जिसमें इबोला वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि यह युवती शुक्रवार को शारजाह से जयपुर पहुंची थी। हवाई अड्डे पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम द्वारा जांच के दौरान उसमें इबोला जैसे लक्षण पाए जाने पर उसे संदिग्ध मामला मानते हुए राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उसे विशेष देखभाल इकाई में आइसोलेशन में रखा गया था।

भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में निर्माणों का विशेष सर्वेक्षण शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/भाषा। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माणों की पहचान और उनके वित्तीय स्रोतों की जांच के लिए विशेष सर्वेक्षण अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, यह सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी निर्माणों को शामिल करेगा। यह अभियान पिछले महीने बीकानेर में आयोजित उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद शुरू किया गया है।

उन्होंने बताया कि लगभग एक सप्ताह पहले शुरू हुआ यह सर्वेक्षण सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), खुफिया ब्यूरो (आईबी), जिला प्रशासन, सैन्य खुफिया इकाइयों और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

यह अभियान अक्टूबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

जैसलमेर की जिलाधिकारी अनुपमा जोरवाल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से शून्य से 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी निर्माणों और अतिक्रमणों का मानचित्रण तथा सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''सर्वेक्षण के दौरान यह जांच की जाएगी कि संबंधित निर्माण आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद किए गए हैं या नहीं तथा कहीं वे निर्धारित नियमों का उल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं।

राजस्थान में कीटनाशकों के उपयोग से 535 किसानों की हुई मौत : कृषि विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में जनवरी 2024 से जनवरी 2026 के बीच कीटनाशकों के उपयोग के दौरान 535 किसानों की मौत हुई। कृषि विभाग ने कांग्रेस विधायक के एक सवाल में यह जानकारी मुहैया कराई। कांग्रेस विधायक अमीन कागजी द्वारा हाल ही में विधानसभा में पूछे गये एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में विभाग ने यह जानकारी मुहैया कराई। विभाग ने बताया कि मृत किसानों के परिजनों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 5.10 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। विभाग के मुताबिक, कीटनाशक छिड़काव के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों को अपनाने में विफल रहने और कीटनाशकों के अंधाधुंध व असुरक्षित उपयोग के कारण किसान, कृषि मजदूर और अन्य लोग बीमार पड़ सकते हैं और कुछ मामलों में उनकी मौत भी हो सकती है। जिला-वार आंकड़ों में बीकानेर में सबसे अधिक 57 मौतें दर्ज की गईं, इसके बाद चूरू (56), हनुमानगढ़ (42), झालावाड़ (42), जोधपुर (38), श्रीगंगानगर और ब्यावर में 31-31 मौतें हुईं। विभाग ने बताया कि धौलपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, सिरोही, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और सालूमर में कीटनाशकों के उपयोग से किसी की मौत नहीं हुई। वहीं कोटपूतली-बहरोड़, बालोतरा, जालोर और उदयपुर में एक-एक किसान की मौत हुई।

विभाग के मुताबिक, करौली में दो, खैरथल-तिजारा, दौसा और जयपुर में तीन-तीन, भरतपुर में चार और राजसमंद में पांच लोगों की मौत हुईं। विभाग ने बताया कि कीटनाशक अधिनियम, 1968 और कीटनाशक नियम, 1971 के तहत मुआवजे का कोई प्रावधान नहीं है हालांकि, राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता दी गई। विभाग के मुताबिक, राज्य में प्रतिबंधित, घटिया या नकली कीटनाशकों की खुली बिक्री का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

कागजी ने आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह स्थिति अधिक जागरूकता और कीटनाशक उपयोग की सख्त निगरानी की मांग करती है। उन्होंने कहा, मौतों और घटिया नमूनों की संख्या यह दर्शाती है कि फील्ड स्तर पर निगरानी, किसानों का प्रशिक्षण और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। विभाग ने यह भी बताया कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है और किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए सहायता प्रदान कर रही है।

साइकिल चलाने गई छात्रा का शव अपार्टमेंट के बाहर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के जयपुर में 16 वर्षीय एक स्कूली छात्रा का शव शनिवार सुबह अपार्टमेंट के बाहर मिला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया था कि छात्रा शुक्रवार शाम साइकिल चलाने के लिए घर से निकली थी लेकिन देर रात तक नहीं लौटी, जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। प्रताप नगर थाना प्रभारी पूरनमल ने बताया कि मृतका की मां अपार्टमेंट के पास साड़ी की दुकान चलाती हैं और छात्रा वहीं साइकिल चलाने गई थी। उन्होंने बताया कि लड़की की चप्पल और चश्मा इमारत की छत पर मिले।

अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित किया गया। परिजनों ने रविवार को सरकारी अस्पताल की मुर्दाघर के बाहर धरना दिया और शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि लड़की का अपहरण कर हत्या की गई है और पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर रही। परिजनों ने दावा किया कि लड़की 'इंस्टाग्राम' पर एक युवक से संपर्क में थी और पुलिस से मामले के सभी पहलुओं की जांच करने की मांग की। एक परिजन ने कहा, हमें निष्पक्ष जांच चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हर पहलू की गहन जांच होनी चाहिए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं से जांच की जा रही है।

निरीक्षण

भीषण गर्मी के बीच प्रदेशवासियों को स्वच्छ, पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व एवं दूरदर्शी निर्देशों का सकारात्मक असर पूरे राजस्थान में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) द्वारा संचालित विशेष राज्यव्यापी अभियानों ने पेयजल व्यवस्थाओं को नई मजबूती प्रदान की है तथा हजारों परिवारों को राहत पहुंचाई है। 5 अप्रैल से 6 जून तक आयोजित सात विशेष राज्यव्यापी अभियानों के दौरान प्रदेशभर में कुल 19,072 पेयजल संबंधी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इनमें 3,766 हैंडपंपों की मरम्मत, 2,236 पाइपलाइन लीकेज की दुरुस्ती, 1,219 प्रेशर संबंधी समस्याओं का समाधान, 1,390 बाधित जलापूर्ति मामलों का निस्तारण, 290 कम अवधि की जलापूर्ति, 688 कम सप्लाई, 181 प्रदूषित जल तथा 29 समय-सारणी संबंधी शिकायतों का समाधान शामिल है। इसके अतिरिक्त 7,466 अन्य सुधारात्मक कार्यों के माध्यम से पेयजल व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया गया। शनिवार को आयोजित सातवें विशेष अभियान के दौरान विभागीय विशेष टीमों ने जिलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों, पाइपलाइन नेटवर्क और जलापूर्ति व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण कर समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। अभियान के तहत 689 खराब हैंडपंप पुनः चालू किए गए।

तीर्थ यात्रा

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत राजस्थान से गए 1008 वरिष्ठ नागरिक श्रद्धालुओं ने शनिवार को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दिव्य-भव्य दर्शन किए। सोमनाथ मंदिर दर्शन के दौरान श्रद्धालु संध्या आरती में सम्मिलित हुए तथा लाइट एंड साउंड शो का आनंद लिया। लाइट एंड साउंड शो में सोमनाथ महादेव मंदिर की पौराणिक और ऐतिहासिक गाथा का वर्णन किया गया।

फर्जी एफएमजी सर्टिफिकेट मामले में तीन चिकित्सक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर भारत लौटे चिकित्सकों को कथित तौर पर फर्जी एफएमजी (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट) स्क्रीनिंग परीक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन चिकित्सकों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आया कि एफएमजी परीक्षा में सफल नहीं हो पाने वाले कई अभ्यर्थियों ने लाखों रुपये खर्च कर कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार करवाए और उनके आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीयन कराकर विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप भी की।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि चौमूं निवासी दीपक यादव (28), डीग निवासी राजू गुर्जर (28) और अलवर जिले के कठूमर निवासी नरेश गुर्जर (30) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि दीपक यादव ने कजाखस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद कई बार एफएमजी परीक्षा दी लेकिन सफल नहीं हो सका।

अधिकारी ने बताया कि यादव ने कजाखस्तान में उसके साथ पढ़ने वाले विजय सैनी के माध्यम से मुख्य आरोपी भानाराम माली के नेटवर्क से जुड़कर 24 लाख रुपये में कथित तौर पर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया और उसके आधार पर दौसा में राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इंटर्नशिप की।

बंसल ने बताया कि इसी प्रकार राजू गुर्जर ने 27 लाख रुपये देकर कूटरचित प्रमाण पत्र कथित तौर पर हासिल किया और हनुमानगढ़ स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इंटर्नशिप की। उन्होंने बताया कि वहीं नरेश गुर्जर ने 23 लाख रुपये में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर अलवर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से इंटर्नशिप पूरी की।

गहलोत कभी पायलट को कांग्रेस में पूरी तरह स्थापित नहीं होने देंगे : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कभी भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने का अवसर नहीं छोड़ते।

राठौड़ ने कहा कि जब भी पायलट की राजनीतिक स्थिति मजबूत होती है, गहलोत उन्हें कमजोर करने की कोशिश करते हैं।

राठौड़ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गहलोत अब भी सचिन पायलट को बच्चा समझते हैं। यह मामला उनकी पार्टी और परिवार से जुड़ा है लेकिन सचिन पायलट को खुद तय करना होगा कि उन्हें क्या करना है और उनका भविष्य क्या होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर पायलट को लगता है कि उनका

भविष्य कांग्रेस में सुरक्षित है तो उन्हें वहीं रहना चाहिए लेकिन अगर उन्हें ऐसा नहीं लगता तो उन्हें स्वयं निर्णय लेना चाहिए।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि गहलोत कभी पायलट को कांग्रेस में पूरी तरह स्थापित नहीं होने देंगे और लगातार ऐसी टिप्पणियां करते रहेंगे, जो उन्हें पीछे धकेलें। राठौड़ ने पायलट पर गहलोत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे बयान कांग्रेस नेता की छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और गहलोत एक तरफ हैं जबकि पायलट दूसरी तरफ खड़े हैं और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बीच में हैं।

गहलोत ने इससे पहले दिन में कहा था कि सितंबर 2022 में कांग्रेस की राजस्थान इकाई में हुए घटनाक्रम आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था बल्कि पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं को लेकर आंतरिक असहमति थी। उन्होंने बताया कि 100 विधायकों ने नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी थी और होटल में ठहरकर सरकार को बचाया था। गहलोत ने कहा, वे (विधायक) चाहते थे कि उनमें से किसी को मुख्यमंत्री बनाया जाए लेकिन पायलट उनके लिए स्वीकार्य नहीं थे क्योंकि वह (पायलट) अपने समर्थक विधायकों को लेकर मानेसर चले गए थे।

गहलोत सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे पायलट ने 2020 में गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी। पायलट और कुछ विधायक हरियाणा के मानेसर में जाकर ठहरे थे।

खेल के साथ व्यक्तित्व विकास पर रहेगा विशेष फोकस : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर सांसद खेल उत्सव 2025-26 के अंतर्गत आयोजित समर कैंप 2026 (महिला वर्ग) का शनिवार को आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, कोटपूतली-बहरोड़ में भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव एवं उपमुख्यमंत्री एवं वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षकों, चयनित प्रतिभागी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं,

बल्कि यह अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। खेल युवाओं को चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सांसद खेल उत्सव और समर कैंप जैसे नवाचारपूर्ण प्रयासों का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर प्रदान करना और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है।

उन्होंने भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से देशभर के उत्कृष्ट प्रशिक्षक इस कैंप से जुड़े हैं, जिससे खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिल रहा है। उन्होंने भविष्य में भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के सहयोग से और अधिक उन्नत एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया और खेलो इंडिया अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान दी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सफलता और असफलता से ऊपर उठकर निरंतर सीखने और आगे बढ़ने का प्रयास करें।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अच्छी शिक्षा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, इस पर भी विशेष रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करने पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रकाश पुंज होते है। ज्ञान का पूरे समाज में प्रसार यहीं से होता है। इसलिए उन्हें उत्कृष्ट बनाने लिए सभी मिलकर कार्य करें।

राज्यपाल बागडे रविवार को लोकभवन से महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के 23 वें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे

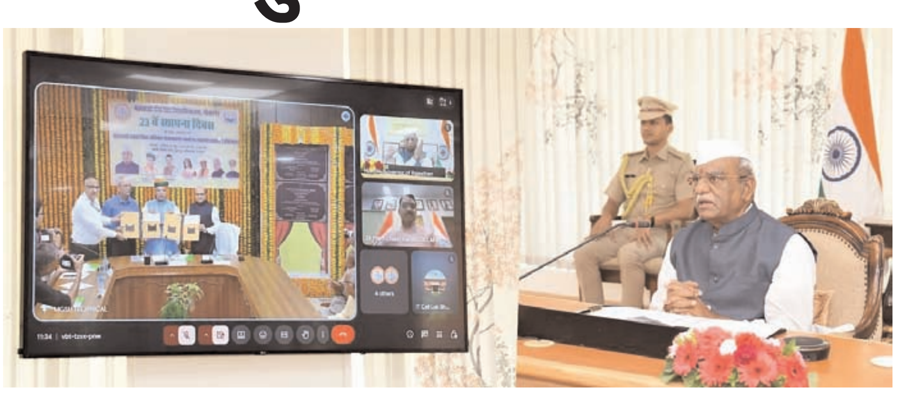

थे। उन्होंने स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि वह विरले संत थे। उनके नाम पर विश्वविद्यालय में भवन निर्माण अच्छी पहल है। वह ऐसे संत थे जो प्रचार प्रसार से दूर रहते थे। उन्होंने कभी अपनी फोटो तक नहीं खिंचवाई। अपने चरण छूने से भी वह मना करते थे। ऐसे आदर्श संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे ही एक महापुरुष गीता प्रेस के जरिए देश में संस्कृति और संस्कारों के प्रसार की अभूतपूर्व भूमिका निभाने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार जी थे। गोविंद वल्लभ पंत जी उन्हें भारत रत्न पुरस्कार देना चाहते थे और परन्तु उन्होंने लेने से मना कर दिया।

बागडे ने विश्वविद्यालय भवनों का नाम संत, महात्माओं के नाम पर किए जाने की सराहना की परंतु यह भी कहा कि जिन महापुरुषों, संतों के नाम पर भवनों के नाम रखे गये हैं, उनके बारे में संक्षिप्त और सार्थक परिचय पुस्तिका भी प्रकाशित हो ताकि नई पीढ़ी को उनके बारे में निरंतर जानकारी मिलती रहे। उन्होंने कहा कि बीकानेर में महाराजा गंगासिंह जी के समय खेजड़ी को काटने पर रोक का कानून बना था। राज्य सरकार ने भी खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाया है। लोकभवन स्तर पर पिछले वर्ष सर्वपल्ली राधाकृष्ण आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 300 से अधिक खेजड़ी के पेड़ लगाए गए। हमारा प्रयास है कि खेजड़ी का एक ऐसा पार्क विकसित किया जाए ताकि इस मरुभूमि के कल्पवृक्ष के बारे में जागरूकता का प्रसार हो। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की इस वृक्ष से इसीसे और निकटता होगी।

राज्यपाल ने गंग नहर निर्माण शताब्दी वर्ष पर जल संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही इसका निर्माण है। पानी बचाने के लिए जागरूकता का प्रसार होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान के पारंपरिक पेड़ पौधों और जल संरक्षण से जुड़ी संस्कृति से जुड़ी किसी परियोजना पर कार्य करने की भी आवश्यकता जताई।

चार धाम यात्रा की शुरुआत के बाद पहुंचे 31 लाख तीर्थयात्री, अब तक 161 श्रद्धालुओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में अप्रैल में शुरू हुई चार धाम यात्रा के बाद से 31 लाख से अधिक तीर्थयात्री प्रदेश में आ चुके हैं जबकि इस दौरान 161 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की नई रिपोर्ट के अनुसार, 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से केदारनाथ धाम में सबसे अधिक 11,05,676 तीर्थयात्री आए हैं। इसके बाद बद्रीनाथ धाम में 23 अप्रैल से 9,08,619 तीर्थयात्री आए हैं। गंगोत्री मंदिर में

5,28,406 तीर्थयात्री, यमुनात्री मंदिर में 5,07,421 और श्री हेमकुंड साहिब में 55,411 तीर्थयात्री आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गौमुख मार्ग पर 4,697 तीर्थयात्री पहुंचे। इनकी संख्या गंगोत्री तीर्थयात्रियों में शामिल की गई। शनिवार को 61,262 तीर्थयात्री 5,511 वाहनों में सवार होकर तीर्थस्थलों पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इस साल तीर्थयात्रा की शुरुआत से अब तक 2,89,918 वाहनों ने यात्रा मार्गों का उपयोग किया।

राज्य में 19 अप्रैल से अब तक 161 तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 152 लोगों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं और खराब स्वास्थ्य के कारण हुई, जबकि आठ तीर्थयात्रियों की मृत्यु अन्य कारणों से हुई और एक व्यक्ति की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। तीर्थयात्रा के दौरान, यमुनोत्री में सबसे अधिक 78 श्रद्धालुओं की मौत हुई। इसके बाद केदारनाथ में 47, बद्रीनाथ में 20 और गंगोत्री में 16 लोगों की मौत हुई।

पटना स्थित 'केजीएस' में अग्नि सुरक्षा जांच के दौरान संरचनात्मक खामियां पाई गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने रविवार को पटना स्थित खान ग्लोबल स्टडीज' (केजीएस) में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान कई संरचनात्मक खामियां पाईं। इसने कहा कि संस्थान को एक सप्ताह के भीतर इन खामियों को दूर करने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुजफ्फरपुर जिले के एक निजी अस्पताल में लगी आग में कम से कम सात लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद यह अग्नि सुरक्षा जांच की गयी। केजीएस पटना स्थित एक कोचिंग संस्थान है, जिसकी स्थापना फैसल खान ने की थी, जिन्हें खान सर के नाम से जाना जाता है। यह कोचिंग संस्थान छात्रों को प्रतियोगी और सरकारी भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए प्रसिद्ध है। सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा ने पत्रकारों को बताया, अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान हमें केजीएस में कुछ खामियां मिली हैं और जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा। यदि वे एक सप्ताह के भीतर अनुपालन करने में विफल रहते हैं, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

शर्मा ने बताया कि केजीएस में 'फायर अलार्म सिस्टम' में खामियां पाई गईं, जबकि फायर पंप भी नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि ओवरहेड वॉटर टैंक की क्षमता भी अपर्याप्त थी और कोई स्थायी अग्निशमन प्रणाली भी नहीं थी। बार-बार कोशिश करने के बावजूद, केजीएस के अधिकारियों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। राज्यव्यापी ऑडिट अभियान का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा, दिल्ली और मुजफ्फरपुर में हाल ही में हुई आग की घटनाओं के मद्देनजर, सभी होटलों, अस्पतालों और विभिन्न संस्थानों के लिए बड़े पैमाने पर अग्नि सुरक्षा ऑडिट और जांच की जा रही है।

भारी बारिश — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराष्ट्र के सांगली में रविवार को हुई भारी बारिश के कारण जलमग्न सड़क से गुजरता एक व्यक्ति। लगातार वर्षा से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई और जनजीवन प्रभावित रहा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने रविवार को मथुरा के ठाकुर द्वारकाधीश महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि न्यायमूर्ति भंसाली ने अपनी पत्नी, रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह सिरोही और मथुरा तथा आगरा के जिला न्यायाधीशों के साथ द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किये।

मंदिर के मीडिया और कानूनी मामलों के प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का मंत्रोच्चार के बीच स्वागत किया गया और उन्हें मंदिर के इतिहास और परंपराओं के बारे में जानकारी दी गयी। तिवारी ने बताया कि मंदिर प्रशासन ने उन्हें पारंपरिक अंगवस्त्र, प्रसाद और एक स्मृति-चिह्न प्रदान किया।

न्यायमूर्ति भंसाली ने अपनी यात्रा के दौरान मंदिर के गोस्वामी तृतीय पीठाधीश्वर वागीश कुमार महाराज से भी मुलाकात की।

मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि ब्रज क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान मुख्य न्यायाधीश का कोसी के कोकिलावन में शनि मंदिर, वृंदावन में इस्कॉन मंदिर, नीम करौली बाबा समाधि स्थल, टटिया आश्रम और वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर जाने का भी कार्यक्रम है।

'राम मंदिर' में चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गये। यादव ने इस मामले में अदालत से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया। उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है।

यादव ने पोस्ट में कहा, ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'सीबीएसई और कोएम्प्ट' के बीच मिलीभगत का ''पर्दाफाश'' करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत और उनके सहयोगी निसर्ग अधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि ''युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें'', लेकिन इन दोनों युवाओं ने सवाल उठाए और जवाब भी ढूंढ़ निकाले। गांधी ने पिछले सप्ताह सार्थक सिद्धांत के साथ अपनी मुलाकात का एक वीडियो एक्स' पर साझा किया, जो सीबीएसई की 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) से प्रभावित 18 वर्षीय छात्र है और जिसने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में ओएसएम प्रक्रिया के लिए वेंडर के चयन की निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की ओर इशारा किया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा, ''सार्थक 18 साल का है - पर सोच, साहस और सिद्धांत में किसी से कम नहीं। उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो कर दिखाया जो देश के बड़े मीडिया प्रतिष्ठान, खोजी पत्रकार नहीं कर पाए - सीबीएसई और 'कोएम्प्ट' की मिलीभगत को देश के सामने रख दिया।'' उन्होंने कहा कि देश का 18 साल का बच्चा सीबीआई से तेज निकला, नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी जी चाहते हैं हमारे युवा रील बनाते रहें, पकौड़े तलते रहें, सवाल न पूछें, आंखें न खोलें। पर इन बच्चों ने सवाल भी पूछे और जवाब भी ढूंढ़ निकाले।'' उन्होंने कहा, ''यही है भारत की असली युवा शक्ति - जिज्ञासु, जागरूक, जानकार। और याद रखिए, देश का भविष्य किसी बहकावे में नहीं आएगा।'' सीबीएसई ने 'कोएम्प्ट एडुटेक' कंपनी को 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) का ठेका दिया था। बारहवीं कक्षा के परिणाम में कथित अनियिमितताओं के बाद यह विवादों में घिर गई। ओएसएम विवाद के बाद सरकार ने सीबीएसई के दो शीर्ष अधिकारियों को हटा दिया है, हालांकि विपक्षी कांग्रेस ने इसे दिखावा और लीपापोती करार दिया है।

लोगों से पैसे ऐंठने के आरोपी टीएमसी नेता को गंजा करके, जूतों की माला पहनाकर घुमाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में गुस्साई भीड़ ने तृणमूल कांग्रेस के एक नेता का सिर मूंड दिया, उसे जूतों की माला पहनाई और पूरे गांव में घुमाया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस का यह नेता कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से पैसे वसूलता था। अमरदाहा गांव के निवासियों ने आरोप लगाया कि संन्यासी मन्ना विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठता था। उनका यह दावा भी है कि उसके घर से कई आधार कार्ड और मनरेगा योजना के जॉब कार्ड बरामद किए गए हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कथित तौर पर ग्रामीणों को मन्ना के गले में जूतों की माला डालते और उसका सिर मुंडवाते हुए देखा गया। पुलिस ने मन्ना को ग्रामीणों की भीड़ से बचाकर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मन्ना को उग्र भीड़ से सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के आरोपों की जांच की जाएगी, हालांकि अभी तक उसके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पीटीआई वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ व्यापक विरोध-प्रदर्शन और सार्वजनिक नाराजगी देखने को मिली है।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई : मानव सुथार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, ''क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।'' सुथार ने कहा, ''मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'' मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे।

उन्होंने कहा, ''भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे

अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'' मानव ने कहा, ''लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।''

सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं। उन्होंने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ आईपीएल में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले।

उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।''

असम के मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सौंपी जिलों की जिम्मेदारी

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल के अपने 16 सहयोगियों को जिले का प्रभार आवंटित करने की रविवार को घोषणा की। इन मंत्रियों को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर संबंधित जिलों में विकास कार्यों की निगरानी और देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारी मंत्री के रूप में वे अपने-अपने जिलों में सभी सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारू तथा प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

शर्मा ने पोस्ट में कहा, ''मुझे असम सरकार के मंत्रियों को जिलों का प्रभार सौंपने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि सभी मंत्री जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और राज्य की प्रगति तथा समृद्धि की यात्रा को और अधिक गति प्रदान करेंगे।'' रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और जोरहाट का प्रभार दिया गया है, जबकि अतुल बोरा को कामरूप महानगर और धेमाजी की जिम्मेदारी दी गई है। कोकराझार, बक्सा और चिरांग चरण बोरो को, मोरीगांव और कामरूप अजंता निओग को, बोंगाईगांव और बारपेटा अश्विनी रे सरकार को, दरांग और धुबरी अशोक सिंघल को, शिवसागर और चराइदेव बिमल बोरा को, और नलबाड़ी और सोनितपुर बिस्वजीत दैमारी को आवंटित किए गए हैं।

'इंडि जनबंधन' एकजुट, 23 पार्टियों ने भागीदारी की पुष्टि की : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कहा कि 23 राजनीतिक दलों ने सोमवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होने वाली 'इंडि जनबंधन'' की बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी गुट अपनी विविधता के बावजूद एकजुट है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों ने अपने-अपने कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 23 राजनीतिक दलों ने आठ जून को दोपहर 12 बजे नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होने वाली 'इंडि जनबंधन' की बैठक में भाग लेने की पुष्टि की है।''

रमेश की पोस्ट को टैग करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, ''एक साझा उद्देश्य और स्पष्ट इरादे से बैठक हो रही है। 'इंडि' एकजुट है। कई पार्टियां सौहार्द की भावना से इस बैठक के लिए उत्सुक हैं।'' कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''कुछ दलों

ने अपने-अपने कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई है, लेकिन उन्होंने मोदी सरकार की नीतियों और कार्यों का कड़ा विरोध भी व्यक्त किया है।'' रमेश ने कहा, ''सरकार करोड़ों भारतीयों के मतदान के अधिकार को कमजोर कर रही है, संविधान पर लगातार आघात कर रही है, जांच एजेंसियों के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है, करोड़ों लोगों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रही है, लगातार बढ़ती महंगाई से परिवारों का बजट बिगाड़ रही है, लाखों युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को तोड़ रही है, निवेश के माहौल को प्रभावित कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।'' उन्होंने कहा कि भारत की तरह ही ''इंडि जनबंधन'' अपनी विविधता के बावजूद एकजुट है। 'इंडि' गठबंधन 2029 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी आगामी रणनीति और भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श करने वाला है। बैठक में राष्ट्रीय मुद्दों पर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को घेरने के लिए साझा रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब गठबंधन के कुछ घटक दलों के बीच संबंधों में तनाव देखा जा रहा है। द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में कांग्रेस पर ''कथित विश्वासघात'' का आरोप लगाते हुए बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया है। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में वाम दलों पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाए जाने पर नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार, माकपा महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में वामपंथी दल और भाजपा के बीच राजनीतिक मिलीभगत का जिक्र किया गया था। यह बैठक हाल में हुए विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में भी हो रही है, जिनमें तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल और द्रमुक को तमिलनाडु में सत्ता से बाहर होना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी के परिजनों ने कहा, वैभव की मेहनत रंग लाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समस्तीपुर/भाषा। बिहार के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए भारतीय टी20 टीम में चयन पर उनके परिवार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। सूर्यवंशी को शनिवार को भारतीय टीम में चुना गया। वह 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय टीम में स्थान बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह भारत की तरफ से

सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का सचिन तेंदुलकर रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

समस्तीपुर जिले के ताजपुर के रहने वाले सूर्यवंशी उस भारतीय टीम का हिस्सा होंगे जो दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों (26 जून और 28 जून) के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी। इसके बाद यह टीम एक से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने पत्रकारों से कहा, बचपन से ही उसने जो कड़ी मेहनत की है, उसका फल अब मिल रहा है। देश के लिए खेलने का मौका मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। मेरी इच्छा आज पूरी हो गई। उन्होंने अपने बेटे पर भरोसा जताने के लिए चयनकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ''इस युवा क्रिकेटर को अब बस उस भरोसे पर खरा उतरने की जरूरत है।''

वैभव की दादी उषा सिंह ने कहा, ''यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि मेरा पोता भारत की सीनियर टीम की तरफ से खेलने की उपलब्धि हासिल करने वाला है।'' वैभव के चाचा राजीव सूर्यवंशी ने कहा कि उनके चयन से पूरे देश में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया है। उन्होंने कहा, ''हम इससे अधिक की क्या उम्मीद कर सकते थे। मैं चयनकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं और वैभव को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।'' सूर्यवंशी का टीम में शामिल होना लगभग तय था, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे।

सुविचार

कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता, क्योंकि सफलता हमेशा मेहनत करने वालों के कदम चूमती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सीजेपी का फ्लॉप शो

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को सोशल मीडिया पर जो प्रसिद्धि मिली, वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान कहीं दिखाई नहीं दी। यह कहना गलत नहीं होगा कि उसका पहला ही प्रदर्शन 'फ्लॉप शो' साबित हुआ। कहां तो ये दावे किए जा रहे थे कि देश का युवा सीजेपी को हाथोंहाथ लेगा, वह इसका झंडा उठाकर निकल पड़ेगा, लेकिन युवा तो आया ही नहीं! विरोध प्रदर्शन में वे ही चेहरे ज्यादा दिखाई दिए, जो 'किसान आंदोलन' से लेकर अन्य विरोध प्रदर्शनों में दिखाई देते रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में आधी भीड़ तो यूट्यूबरों और उन लोगों की थी, जो फोटो-वीडियो लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट में कुछ जान डालना चाहते थे। हालांकि उन्हें निराश नहीं होना पड़ा। कई लोग ऐसे थे, जिन्हें यह तक नहीं पता था कि प्रदर्शन क्यों हो रहा है! वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगते दिखाई दिए, लेकिन जब उनसे मंत्री का नाम पूछा गया तो बगलें झांकने लगे। कुल मिलाकर न यह प्रदर्शन नया था, न इसके लोग नए थे। हां, कॉकरोच के मुखौटे जरूर नए थे, जो युवाओं को आकर्षित नहीं कर पाए। युवा समझ चुका है कि यह देश में अस्थिरता और हुड़दंग फैलाने की मंशा रखने वालों का जमघट है। वह इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। वह कॉकरोच नहीं बनना चाहता। वह एक जिम्मेदार नागरिक बनना चाहता है। जो लोग इस प्रदर्शन में आए, उनमें से ज्यादातर दोपहर तक सेल्फी लेकर चलते बने! प्रदर्शन के पक्ष में माहौल बनाने के लिए कोशिशें खूब हुईं। सोशल मीडिया पर महफिल जमी। ऐसा दिखाया गया कि अभिजीत दीपके कोई महान उद्धारक बनकर आ रहे हैं, जो एक छड़ी घुमाएंगे और सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

सीजेपी वालों की मंशा जरूर रही होगी कि दिल्ली पुलिस उन्हें विरोध प्रदर्शन की इजाजत न दे, ताकि उसके बाद उन्हें यह कहने का मौका मिले कि 'हमारी आवाज दबाई जा रही है' और वे पूरे देश में बवाल मचाते फिरें। पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत देकर उस दांव की हवा निकाल दी। कुछ लोगों के मन में यह सोचकर लड्डू फूट रहे थे कि इधर युवाओं का हुजूम उमड़ेगा, उधर पुलिस के हाथ-पांव फूलेंगे ... वह अभिजीत दीपके को शांति के लिए खतरा बताकर गिरफ्तार करेगी। अगर गिरफ्तार नहीं करेगी तो दिल्ली से बाहर जाने के लिए कह देगी और सीजेपी के पास यह कहने का बहाना होगा कि भारत में असहिष्णुता बढ़ गई है। ऐसा कुछ नहीं हुआ। उनके मन में फूट रहे लड्डू बाद में फीके निकले। जब ख़याली पुलावों के सहारे सुधार करने निकलते हैं तो ऐसा ही होता है। बड़ा सवाल है- सीजेपी सोशल मीडिया पर तेजी से उभरी, उसे पूरा मौका दिया गया, वह शक्ति प्रदर्शन करने आई, लेकिन यह 'फ्लॉप शो' कैसे हुआ? दरअसल लोग सोशल मीडिया पर उभरने वाली हर चीज से कुछ ज्यादा ही उम्मीद लगा बैठते हैं। ये धरातल पर कमाल दिखा पाएं, यह जरूरी नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि युवाओं में आक्रोश है। पेपर लीक, धांधली, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं में नाराजगी है। जब वे सोशल मीडिया पर देखते हैं कि कुछ लोग पैसे और पहचान के दम पर गलत तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी है और भ्रष्ट अधिकारी बेलगाम हैं, पढ़ाई-लिखाई के बावजूद रोजगार नहीं मिल रहा है, परिवार और रिश्तेदारों से ताने सुनने पड़ रहे हैं सो अलग ... ऐसे में युवाओं के आक्रोश को भुनाने के लिए कोई मंच बनाया जाता है तो लोग उसकी ओर ध्यान देते हैं। यह स्वाभाविक है। वे भले ही उसके प्रदर्शन का हिस्सा न बनें, लेकिन मन में यह विचार रहता है कि शायद कुछ बेहतर हो जाए! यह सोचकर वे उसके सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़ जाते हैं। सीजेपी के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि देश के युवाओं को केंद्र सरकार से शिकायत जरूर है, वहीं उम्मीद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही है। मोदी यह उम्मीद न टूटने दें। युवाओं की हर समस्या का समाधान होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज बूढ़ा पुष्कर में विधिवत पूजा-पाठ और अनुष्ठान करके राज्य के सभी निवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। मैंने स्थानीय निवासियों के साथ जल संरक्षण और जल संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

-दिया कुमारी

आइए देखें कि भारत की संसद एनवायरनमेंट की सुरक्षा, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन फ्यूचर के लिए अपने कमिटमेंट को कैसे पूरा कर रही है। इको-फ्रेंडली पार्लियामेंट्री बिल्डिंग्स जैसी पहलें नेचर और प्रोग्रेस के बैलेंस्ड मेल का एक इंस्पायरिंग उदाहरण पेश करती हैं।

-ओम बिरला

बीजीएस मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और बेंगलुरु में आयुर्वेदिक कॉलेज का उद्घाटन किया ये संस्थान सस्ती, आसान और होलिस्टिक हेल्थकेयर को मजबूत करने और मेडिकल प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

दृढ़ संकल्प की शक्ति

एक बार एक गरीब बालक था, जिसका सपना पढ़-लिखकर बड़ा अधिकारी बनने का था। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। कई बार उसे पढ़ाई छोड़कर काम करने की सलाह दी गई, लेकिन उसने हार नहीं मानी। वह दिन में काम करता और रात को सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठकर पढ़ाई करता था। एक दिन किसी ने उससे पूछा, इतनी कठिनाइयों के बावजूद तुम पढ़ाई क्यों करते हो?

बालक ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, आज की कठिनाइयाँ ही मेरे उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। उसकी मेहनत और लगन रंग लाई। वर्षों की अथक मेहनत के बाद वह एक प्रतिष्ठित अधिकारी बन गया। जब लोगों ने उसकी सफलता का रहस्य पूछा, तो उसने कहा, सफलता भाग्य से नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, धैर्य और आत्मविश्वास से मिलती है।शिक्षा: जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित रहे और निरंतर प्रयास करता रहे, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। हार मानना असफलता है, जबकि संघर्ष सफलता की पहली सीढ़ी है।

सामयिक

डैमोग्राफी बदलाव भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

जनसांख्यिकीय बदलाव के कारणों के अध्ययन, अवैध प्रवासन की जांच और समाधान हेतु भारत सरकार ने हाल ही में जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है। यह समिति राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन कर रही है।इसके अतिरिक्त, डेमोग्राफिक डिविडेंड (जनसांख्यिकीय लाभांश) का लाभ उठाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए मुख्य कदम निम्नलिखित हैं। डीसीयुवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए स्किल इंडिया मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना चलाई जा रही है। रोजगार और उद्यमिता और मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

आपको बता दें डेमोग्राफिक चेंज पर केंद्र सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में डेमोग्राफिक चेंज और घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार का घेराव किया था। इसी आधार पर भाजपा ने विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को मात दी और पूर्व बहुमत से सत्ता हासिल की। ऐसे में अब केंद्र सरकार द्वारा डेमोग्राफिक चेंज पर हाई लेवल कमेटी गठित करना अहम माना जा रहा है।

डेमोग्राफिक चेंज पर केंद्र सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (26 मई 2026) को इसकी घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेमोग्राफिक चेंज पर 'हाई लेवल कमेटी' बनाने की घोषणा की थी। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सरकार ने इस कमेटी का गठन कर लिया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (रिटायर्ड आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर्ड आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि

समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव (फॉरेनर्स-1), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।'

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में डेमोग्राफिक चेंज और घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार का घेराव किया था। इसी आधार पर बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को मात दी और पूर्ण बहुमत से सत्ता हासिल की। ऐसे में अब केंद्र सरकार द्वारा डेमोग्राफिक चेंज पर हाई लेवल कमेटी गठित करना अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2025 कहा था कि भारत अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए जनसांख्यिकीय मिशन शुरू करेगा। उन्होंने लोगों को अवैध घुसपैठ के माध्यम से देश की जनसांख्यिकी को बदलने की सोची-समझी साजिश के बारे में चेतावनी दी और कहा कि कोई भी राष्ट्र घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा की। उन्होंने कहा था आज देश के सामने एक चिंता, एक चुनौती के संबंध में आगाह करना चाहता हूं। षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के तहत देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। एक नए संकट के बीच बोए जा रहे हैं और यह घुसपैठिए, मेरे देश के नौजवानों के रोजी-रोटी छीन रहे हैं। यह घुसपैठिए मेरे देश की बहन बेटियों को निशाना बना रहे हैं, यह बर्दाश्त नहीं होगा। यह घुसपैठिए भोले भाले आदिवासियों को भ्रमित करके उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। यह देश सहन नहीं करेगा और इसलिए मेरे प्यारे देशवासियों जब डेमोग्राफी परिवर्तन होता है, सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी में परिवर्तन होता है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संकट पैदा होता है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए यह संकट पैदा करता है। सामाजिक तनाव के बीज बो देता है और कोई देश अपना देश घुसपैठियों के हवाले नहीं कर सकता है। दुनिया का कोई देश नहीं कर सकता है, तो हम भारत को कैसे कर सकते हैं हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान से आजादी पाई है। हमें स्वतंत्र भारत दिया है, उन महापुरुषों के प्रति हमारा कर्तव्य हैं कि हम हमारे देश में ऐसी हरकतों को स्वीकार न करें, उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और इसलिए मैं आज लाल किले को प्राचीर से कहना चाहता हूं। हमने एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय किया है। यह मिशन, इस मिशन के द्वारा यह जो भीषण संकट नजर आ रहा है, भारत पर मंडरा रहा है यह जो संकट है, उसको निपटाने के लिए तय समय में सुविचारित निश्चित रूप से अपने कार्य को करेगा, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

वर्ष 1951 से 2011 तक की जनगणना में जो सभी धर्मों की जनसंख्या वृद्धि में असमानता दिखती है, उसका प्रमुख कारण घुसपैठ है। इस देश में 1951, 1971, 1991 और 2011 में जनगणना हुई, जिनमें शुरू से ही धर्म पूछने की परंपरा रही है। 1951 की जनगणना में हिंदू आबादी 84 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिम आबादी 9.8 प्रतिशत थी. 1971 में हिंदू आबादी 82 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 11 प्रतिशत हो गई। 1991 में हिंदू आबादी 81 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 12.2 प्रतिशत हो गई। वहीं, 2011 में हिंदू आबादी 79 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 14.2 प्रतिशत हो गई। मुस्लिम आबादी में 24.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है, जबकि हिंदू आबादी में 4.5 प्रतिशत की कमी आई है. मोदी सरकार की घुसपैठ विरोधी 3डी नीति- पहचान करना मतदाता सूची से हटवाना , उन्हें वापस भेजना है। सबसे गौरतलब बात है कि भारत में मुस्लिम समुदाय की आबादी हिंदू आबादी की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है. साल 2010 में 14.47 से बढ़कर 2050 में 18.47 होने का अनुमान है।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि झारखंड की आदिवासी आबादी में गिरावट के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठ का हाथ है. उन्होंने मांग की थी कि राज्य के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों और बिहार के किशनगंज और कटिहार को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए ताकि क्षेत्र में बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न चुनौती से निपटा जा सके, जिसके कारण, उनके अनुसार, आदिवासी आबादी में काफी कमी आई है। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और कहा कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासियों की आबादी बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या के कारण घट रही है। उन्होंने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 2000 में 36 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 26 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने पूछा, 'ये आदिवासी कहां चले गए?' वर्ष 2014 से, भारत की सीमाओं पर घुसपैठ के 8,500 से अधिक प्रयासों का पता चला है, जबकि 20,000 से अधिक घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है।

भारत में जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर सुरक्षा, अर्थशास्त्र और नीति निर्माण के स्तर पर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। केंद्र सरकार और सुरक्षा विश्लेषकों का एक वर्ग इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती मानता है, जबकि अर्थशास्त्री और जनसांख्यिकी विशेषज्ञ इसे गिरती प्रजनन दर और बुजुर्ग होती आबादी से जुड़ी आर्थिक चुनौती के रूप में देखते हैं। इस विषय को मुख्य रूप से अलग-अलग दृष्टिकोणों के माध्यम से समझा जा सकता है। सुरक्षा और सामाजिक संतुलन का दृष्टिकोण इस दृष्टिकोण के तहत, देश के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों, विशेषकर सीमावर्ती इलाकों में हो रहे अस्वाभाविक जनसांख्यिकीय बदलाव को एक बड़ा खतरा माना जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, अवैध घुसपैठ और अनियमित प्रवासन के कारण सीमावर्ती राज्यों (जैसे असम, पश्चिम बंगाल, और बिहार) की जनसंख्या बनावट में असामान्य बदलाव आए हैं, जो कानून-व्यवस्था और संप्रभुता के लिए चिंता का विषय हैं। सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए।

नजरिया

पृथ्वी और मानव जीवन की अमूल्य धरोहर है महासागर

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : .

विश्व महासागर दिवस प्रतिवर्ष 8 जून को मनाया जाता है। इस दिवस को मानाने का उद्देश्य लोगों को समुद्र की विशेषता और बहुमूल्य वस्तुओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके लिए हर वर्ष एक थीम जारी की जाती है। थीम जारी करने का उद्देश्य लोगों तक समुद्र के बारे में जागरूक करना है। इस वर्ष 2026 की थीम हमारे नीले ग्रह के लिए मज़बूत समुद्री संरक्षित क्षेत्र रखी गई है।

इन पंक्तियों के लेखक ने ब्रिटेन के अनेक महासागरों का अवलोकन करते हुए समुद्र तटों की सैर का आनंद लिया है। ब्रिटेन के लोग आज भी समुद्रों की सुरक्षा के प्रति जागरूक है। यहाँ के लोग इस बात का ध्यान रखते है की समुद्र प्रदूषण का शिकार नहीं हो। फिर भी समुद्र में कचरा आदि बहाने की अनेक घटनाएं देखने और सुनने को मिलती है। हर साल महासागर दिवस इसीलिए मनाया जाता है की हम महासागरों को स्वच्छ रखे और मानव मित्र के रूप में इनकी रक्षा करें।

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागर हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं। इन्हें केवल पानी का एक विशाल भंडार समझना बहुत बड़ी भूल होगी। ये वास्तव में हमारे ग्रह की जीवन रेखा हैं। पृथ्वी की 50 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन महासागरों द्वारा किया जाता है। यह पृथ्वी की जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व की आधी से अधिक ऑक्सीजन महासागरों द्वारा उत्पादित होती है और यह हमारे वायुमंडल की तुलना में 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है। इसमे मनुष्य जीवन के साथ साथ समुद्री जीव जंतु और पेड़ पौधों का जीवन निर्वाह होता है।

महासागर असीम जैव विविधता का भंडार है। हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। महासागरों में पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। दुनियाभर के सागरों और महासागरों का क्षेत्रफल 367 मिलियन वर्ग किलोमीटर है। महासागर रोजगार

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागर हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं। इन्हें केवल पानी का एक विशाल भंडार समझना बहुत बड़ी भूल होगी। ये वास्तव में हमारे ग्रह की जीवन रेखा हैं। पृथ्वी की 50 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन महासागरों द्वारा किया जाता है। यह पृथ्वी की जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सृजन का बहुत बड़ा स्रोत है। यह करोड़ों लोगों के पेट भरने का उद्गम स्थल है। मानव जीवन को ऑक्सीजन महासागरों से मिलती है। महासागर हमारे भोजन और दवाओं भंडार है। यहाँ लाखों प्रजातियों के जीव जंतु मिल जाते है। देश और दुनिया के पर्यावरण को संतुलित करने का काम भी महासागरों के माध्यम से होता है। महासागर के छोटे छोटे भागों को समुद्र तथा खाड़ी कहते हैं। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। पृथ्वी पर पाँच महासागर हैं इनमें प्रशांत महासागर 6,36,34,000 वर्ग मील, ऐटलैंटिक महासागर 3,13,50,000 वर्ग मील, हिंद महासागर 2,83,56,000 वर्ग मील, आर्कटिक महासागर 40,00,000 वर्ग मील तथा ऐंटार्कटिक महासागर 57,31,000 वर्ग मील में फैला हुआ है।

सागर दुनिया भर के लोगों के लिए भोजन, मुख्य रूप से मछली उपलब्ध कराता है किंतु इसके साथ ही यह कस्तूरों, सागरीय स्तनधारी जीवों और सागरीय शैवाल की भी पर्याप्त आपूर्ति करता है। सागर के अन्य मानव उपयोगों में व्यापार, यात्रा, खनिज दोहन, बिजली उत्पादन और नौसैनिक युद्ध शामिल हैं, वहीं आनंद के लिए की गयी गतिविधियों जैसे कि तैराकी, नौकायन और स्कूबा डाइविंग के लिए भी सागर एक आधार प्रदान करता है। खूबसूरत समुद्री तटों को देखने और समुद्र की लहरों से अठखेलियां करने के लिए महासागर पर्यटकों की सबसे पसंदीदा जगह है। यहां उठती समुद्री तरंगे और उफनता समुद्र मन को तरोताजा कर देता है। इसका प्राकृतिक दृश्य मन मोह लेने वाला है। वास्तव में यहां का मनोरम दृश्य तुलना से परे है। समुद्र के सुनहरे और लुभावने तटों पर मनोरंजन के लिये सैर-सपाटा करना सैलानियों के लिये कोई नई बात नहीं है। सैलानी यहाँ स्वर्गिक आनंद का अनुभव करते हैं। समुद्र के सौन्दर्य को देखकर पर्यटकों की हृदय गति तीव्र हो जाती है। मानव जीवन को विभिन्न प्रकार से जीवन दान देने वाले महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागर में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागर में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

विश्व में होने वाली वर्षा महासागरों पर ही निर्भर है। महासागर कभी सूखता नहीं, क्योंकि इसमें से जितना पानी वाष्प बनकर उड़ता है। वह वर्षा द्वारा नदियों में बहकर पुनरू सागर में मिल जाता है। इस प्रकार से पानी का एक चक्र बना रहता है। महासागर लहरों तथा ज्वार भाटा से कई प्रकार के कटाव एवं जमाव करता है, जिनसे विशेष प्रकार की भू-आकृतियाँ बनती हैं। लहरों से विभिन्न प्रकार के द्वीप तथा खाड़ियों का निर्माण होता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी ने 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड' के लिए मेजर अभिलाषा बराक को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेजर अभिलाषा बराक को यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से सम्मानित किए जाने पर रविवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मेजर बराक की अनुकरणीय सेवाओं के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत के लंबे योगदान को भी मान्यता है। मेजर बराक वर्तमान में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात हैं। उन्हें पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने तथा उनके साथ संवाद स्थापित करने के प्रयासों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। वह भारतीय सेना की पहली महिला लड़ाकू हेलीकॉप्टर पायलट भी हैं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेजर अभिलाषा बराक को 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से सम्मानित किए जाने पर बधाई।''

उन्होंने कहा कि मेजर बराक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान (यूएनआईएफआईएल) में एंगेजमेंट टीम 'कमांडर' और 'जेंडर फोकल प्वाइंट' के रूप में कार्यरत हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह सम्मान उनकी अनुकरणीय सेवाओं को मान्यता है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत के लंबे योगदान का भी सम्मान है। उनकी यह उपलब्धि उन अनगिनत युवा भारतीयों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो राष्ट्र और मानवता की सेवा का सपना देखते हैं।'' संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के अनुसार, यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष सभी शांति अभियानों में बल कमांडर और मिशन प्रमुखों की ओर से नामित उम्मीदवारों में से चुने गए विजेताओं को दिया जाता है।

अमेरिका में हैदराबाद के युवक की हत्या, परिवार ने न्याय की मांग की

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के 28 वर्षीय युवक की अमेरिका में पिज्जा पहुंचाने के दौरान कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह जानकारी उसके परिजनों ने यहां दी। परिजनों को मिली सूचना के अनुसार, यह घटना पांच जून को अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हुई। युवक का परिवार हैदराबाद के पास गुंडलापोचमपल्ली क्षेत्र में रहता है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में भारतीय नागरिक अंशुल कुंचा की असामयिक मौत से हम बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में उनके परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। वाणिज्य दूतावास अंशुल के परिवार के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।'' मृतक की बहन तन्वी ने संवाददाताओं को बताया कि अंशुल उत्तरी फिलाडेल्फिया की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करते थे और सप्ताहांत में अतिरिक्त आय के लिए पिज्जा पहुंचाने का काम करते थे।

तन्वी ने बताया, ''हमें बताया गया कि अंशुल को सिर में तीन गोलियां मारी गईं और सड़क पर छोड़ दिया गया।'' उन्होंने कहा कि अंशुल के पास से कुछ भी नहीं लूटा गया। तन्वी के मुताबिक, अंशुल को पिज्जा पहुंचाने के लिए एक सुनसान इलाके में भेजा गया था और बाद में उन्हें पता चला कि यह ''एक छलावा'' था। उन्होंने कहा, यह एक छलावा था। उन्हें मारने के लिए ही यह सब रचा गया था। मुझे नहीं पता कि उन्हें इससे क्या हासिल हुआ या उनकी क्या मंशा थी। उन्होंने मेरे भाई को हमसे छीन लिया। तन्वी ने इस मामले में न्याय की मांग की। उन्होंने विदेश मंत्रालय से अपील की कि उनके भाई के शव को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए। तन्वी ने कहा, हमें बताया गया कि शव सोमवार को सौंप दिया जाएगा। बस मैं बस यही चाहती हूं। हमें न्याय चाहिए। अमेरिकी मीडिया की खबरों के अनुसार, ऐसा लगता है कि दो बंदूकधारी काले नकाब पहने और पीठ पर बैग लटकाए हुए थे। अंशुल लगभग चार साल पहले पढ़ाई के लिए अमेरिका गए थे। तन्वी ने बताया कि इससे पहले कुछ लोगों ने उनसे चेन, फोन और नकदी छीन ली थी।

दीर्घकालिक पूंजी के लिए भारत दुनिया का सबसे आकर्षक गंतव्य : आईएचसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। अबू धाबी स्थित दिग्गज निवेश कंपनी इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी' (आईएचसी) की वरिष्ठ अधिकारी मरियम बिंत मोहम्मद अल्महेइरी ने कहा कि ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूद व्यापक अवसरों के साथ भारत दीर्घकालिक पूंजी के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। अदाणी समूह द्वारा आयोजित निवेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अल्महेइरी ने कहा कि भारत वैश्विक निवेशकों को बड़े पैमाने पर वृद्धि के अवसरों के साथ-साथ दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी बनाने का मौका दे रहा है।

उन्होंने कहा, ''अदाणी समूह के साथ हमारी एक बहुत बड़ी साझेदारी है, जिसमें हम निवेश कर रहे हैं और हमें इस पर बेहद गर्व है।'' करीब 234 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों में से एक आईएचसी ने अदाणी समूह के साथ मिलकर नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी भंडारण, बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) और परमाणु से जुड़े अवसरों सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग दो अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस सम्मेलन में 800 से अधिक निवेशकों, बैंकरों, फंड प्रबंधकों और कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शामिल लोगों के अनुसार, इस सम्मेलन में अदाणी समूह ने अपने विस्तार के अगले चरण की योजनाओं की रूपरेखा साझा की और खुद को भारत के बुनियादी ढांचे तथा ऊर्जा निर्माण के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया।

अदाणी समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर का उपयोग ऊर्जा, लॉजिस्टिक, हवाई अड्डों, परिवहन बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटरों और शहरी विकास से जुड़ी निवेश योजनाओं की रूपरेखा पेश करने के लिए किया। समूह ने पहले अगले चार वर्षों में लगभग 100 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की थी, जहां अब अधिकारियों ने संकेत दिया कि परियोजनाओं के आगे बढ़ने के साथ यह आंकड़ा बढ़ सकता है। कार्यक्रम में शामिल लोगों के मुताबिक, सागर अदाणी ने प्रतिभागियों से कहा कि जैसे-जैसे बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ेगा और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज होगी, भारत अगले एक दशक में एक बेहद आकर्षक निवेश चरण में प्रवेश कर सकता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम अभिनेता सलीम कुमार को अंतिम विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में रविवार को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम अभिनेता सलीम कुमार को भावभीनी विदाई दी गई। कुमार का अंतिम संस्कार उनके नॉर्थ परवूर स्थित आवास पर पुलिस सम्मान के साथ किया गया और हजारों लोगों ने लोकप्रिय अभिनेता को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। वह 56 वर्ष के थे। कुमार का शनिवार रात करीब 10.43 बजे यहां एक निजी अस्पताल में निमोनिया के इलाज के दौरान निधन हो गया। रविवार सुबह उनके पार्थिव शरीर को नॉर्थ परवूर टाउन हॉल ले जाया गया, जहां अभिनेताओं, मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन सहित राजनीतिक नेताओं और प्रशंसकों सहित हजारों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए।

केरल में मिमिक्री कलाकार के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले कुमार ने मलयालम सिनेमा के सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्वयं को स्थापित किया । अपराह्न करीब दो बजे शव को उनके नॉर्थ परवूर स्थित आवास 'लाफिंग विला' ले जाया गया। अंतिम संस्कार अपराह्न करीब 3.30 बजे हुआ और इसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कुछ साल पहले लिवर प्रतिरोपण करवा चुके अभिनेता को शनिवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। परिवार के सूत्रों के अनुसार, उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने आखिरी सांस ली। मलयालम सिनेमा में जाना-पहचाना चेहरा रहे कुमार ने 1990 के दशक के आखिर में फिल्मी जगत में कदम रखने से पहले मिमिक्री' और हास्य के माध्यम से पहचान हासिल की। उन्होंने 1997 में फिल्म जगत में पदार्पण किया लेकिन 2000 के दशक में उनके हास्य अभिनय ने उन्हें व्यापक लोकप्रियता दिलाई। फिल्म उद्योग में आने से पहले कुमार केरल के मिमिक्री जगत में एक प्रमुख हस्ती थे। उन्होंने केरल के 'कलाभवन' के साथ राज्य और विदेशों में कई कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया और बाद में अपना खुद का ग्रुप' बनाया। वह थिएटर में भी सक्रिय थे और मलयालम टेलीविजन चैनलों पर कॉमेडी कार्यक्रमों की मेजबानी करते थे। कुमार ने 1997 में सिद्दीक-शमीर द्वारा निर्देशित फिल्म इष्टमनु नूरु वट्टम' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की।

उन्हें प्रमुख सफलता 'सत्यमेव जयते' से मिली जिसने उन्हें मलयालम सिनेमा के अग्रणी हास्य कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित किया। कई सफल फिल्मों में हास्य भूमिकाएं निभाने के बाद कुमार ने गंभीर किरदारों को निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। निर्देशक कमल की फिल्म 'पेरुमाझक्कलम' (2004) में उनके शानदार अभिनय ने उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया। उन्होंने 'अचनुरंगथा वीडू' में अपने अभिनय के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता और बाद में अदामिंते मकान अबू' (2010) में उनके प्रशंसित अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और केरल राज्य फिल्म पुरस्कार दोनों प्रदान किए गए। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर कुमार ने लगभग तीन दशकों के अपने करियर में हास्य से लेकर गंभीर चरित्र भूमिकाएं निभाईं और 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उनकी आखिरी फिल्म 2025 में रिलीज़ हुई 'भा भा बा' थी जिसमें वह मेहमान भूमिका में नजर आए थे। कुमार ने लेखक और निर्देशक के रूप में भी फिल्म निर्माण में कदम रखा। फिल्म उद्योग में अपार लोकप्रियता के बावजूद कुमार ने कभी अपने राजनीतिक झुकाव को नहीं छिपाया और खुले तौर पर खुद को कांग्रेस पार्टी का समर्थक बताया। कोच्चि के महाराजा कॉलेज में पढ़ाई के दौरान वह छात्र इकाई केरल छात्र संघ (केएसयू) के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे और कला क्लब के सचिव के रूप में उन्होंने कार्य किया। कुमार अक्सर अपने पिता की कांग्रेस के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के बारे में बात किया करते थे और अक्सर यही कहा करते थे कि वह छोटी उम्र से ही पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेते रहे हैं। हाल में हुए केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कुमार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का खुले तौर पर समर्थन किया। वह कई मौकों पर गठबंधन के नेताओं के साथ दिखाई दिए और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेतृत्व की आलोचना की। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक फिल्मी सितारे से कहीं बढ़कर भाई और ''परिवार का सदस्य'' बताया।

आठ साल की बच्ची के बलात्कार-हत्या मामले में दंपति को मौत की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची के बलात्कार और हत्या के मामले में एक दंपति को रविवार को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया, जिसके मद्देनजर अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा करार दिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया।

इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा किया और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दीं। न्यायमूर्ति मसरूर सालेकिन ने सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई तथा उन पर क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया।

उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सालेकिन ने कहा, उन्हें (दोषियों को) फांसी की सजा सुनाई जाती है।

उन्होंने कहा कि अगर दोषी जुर्माना अदा नहीं करते हैं, तो उनकी चल और अचल संपत्तियों को जब्त कर नीलाम किया जा सकता है, ताकि राशि की वसूली की जा सके। अभियोजकों के मुताबिक, अदालत में आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद पांच दिन के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुना दिया गया, जिससे यह बांग्लादेश के इतिहास में सबसे तेजी से निपटाया जाने वाला हत्या का मामला बन गया। कोई भी निजी वकील दंपति की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया।

सरकारी वकील ने राणा को मृत्युदंड के बजाय उम्रकैद और खातून को ज्यादा कठोर सजा नहीं दिए जाने का आग्रह किया।

लड़की के पिता ने कहा कि वह फैसले से संतुष्ट हैं और उम्मीद करते हैं कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है। अटॉर्नी जनरल रूहूल कुद्दुस काजल ने कहा कि निचली अदालत के रिकॉर्ड मिलते ही उनका कार्यालय त्वरित सुनवाई का अनुरोध करेगा।

पुलिस ने 19 मई को ढाका के पल्लबी इलाके में दंपति के अपार्टमेंट से लड़की का क्षत-विक्षत शव बरामद किया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि लड़की की हत्या उसी दिन की गई थी, जिसके बाद राणा ने शव के कई टुकड़े कर दिए और फरार हो गया। खातून को अपार्टमेंट से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि राणा को उसी दिन बाद में नारायणगंज के बाहरी इलाके फतुल्लाह में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि राणा ने बाद में अदालत के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

मध्य इजराइल में हमलावर की गोलीबारी में व्यक्ति की मौत, पांच घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइली नागरिकता वाले एक फलस्तीनी ने रविवार को मध्य इजराइल के कई कस्बों में अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह जानकारी इजराइली पुलिस ने दी। इजराइली पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। जिन स्थानों पर लोगों को गोली लगी, उनकी संख्या ने शुरू में इस आशंका को जन्म दिया कि यह कई संगठित समूहों के हमलावरों द्वारा समन्वित हमला हो सकता है। इससे अक्टूबर 2023 में हमास के नेतृत्व वाले हमलों की याद ताजा हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि यह घटना एक अकेले बंदूकधारी और उसके एक सहयोगी द्वारा की गई थी।

बचाव सेवा 'मैगन डेविड एडम' ने बताया कि उसे पहली गोलीबारी की सूचना सुबह लगभग 10:30 बजे कोखाव यायर कस्बे के पास एक पेट्रोल पंप पर मिली, जो वेस्ट बैंक की सीमा के इजराइली हिस्से में स्थित है। उसने बताया कि इसके कुछ ही समय बाद इजराइली बस्ती सलाइत के पास त्सूर नतान, त्सूर यित्ज़हाक और वेस्ट बैंक के भीतर भी गोलीबारी की कई अन्य घटनाओं की सूचना मिली। पुलिस ने हमले में शामिल एक दूसरे व्यक्ति को रविवार को बाद में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उस व्यक्ति ने कांच की एक बोतल से पुलिसकर्मियों पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

मामले की आगे जांच जारी है। इजराइल के 'चैनल 12' ने बताया कि हमलावर गोलीबारी के दौरान अपनी कार में ही बैठा रहा, जिससे वह कुछ ही मिनट के भीतर कई स्थानों तक पहुंच सका। इजराइल की बचाव सेवा 'मैगन डेविड एडम' के अनुसार, कोखाव यायर कस्बे में हुई गोलीबारी में 35 वर्षीय एक इजराइली व्यक्ति की मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि पीड़ितों में से एक जान बचाने के लिए मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां में भागा, जहां उसके खून से सने कपड़े, जिन्हें संभवतः पैरामेडिक्स ने उपचार के दौरान काटा था, प्रवेश द्वार के पास फर्श पर पड़े मिले। बचाव सेवाओं के अनुसार, गोलीबारी में कुल पांच लोग घायल हुए, जिनमें दो की हालत गंभीर और तीन की स्थिति मध्यम बताई गई है। हालांकि हमले के तुरंत बाद की अफरातफरी में पहले छह लोगों के घायल होने की सूचना दी गई थी।

क्षेत्रीय परिषद प्रमुख के अनुसार, इलाके के निवासियों को घरों में रहने का निर्देश दिया गया था और बच्चों को कम से कम तीन घंटे तक स्कूल बंद रखा गया। क्षेत्र की क्षेत्रीय परिषद प्रमुख ओश्रित गानी गोनन ने इजराइली मीडिया से कहा, 7 अक्टूबर के बाद हम जिस परिदृश्य की आशंका जता रहे थे, वह यह था कि सीमा पार से कोई आतंकवादी हमारे कस्बों में घुस आएगा। लेकिन किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि हमलावर इजराइली नागरिक निकलेंगे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। पुलिस की निगरानी करने वाले सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने भी हमलावर को पकड़ने वाले सुरक्षा बलों की प्रशंसा की। उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह हमलावर के शव के पास खड़े नजर आए और कहा, ''यह हर आतंकवादी का अंत है, ऐसा ही होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह आतंकवादियों के लिए परिणाम है, जिनका खात्मा किया जाना चाहिए-बेहतर है मौके पर ही, यदि नहीं तो आतंकवादियों के लिए लागू मृत्युदंड कानून के तहत, जिसे हमने पारित किया है।'' बेन-ग्विर को पहले भी राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए विवादास्पद वीडियो साझा करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

'पेद्दी' विवाद पर डिंपल हयाती ने जाह्नवी कपूर का बचाव किया, कहा- व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता राम चरण अभिनीत फिल्म पेद्दी' में जाह्नवी कपूर के किरदार की हो रही आलोचना के बीच अभिनेत्री डिंपल हयाती उनके समर्थन में आई हैं। हयाती ने कहा कि इसके लिए अभिनेत्री को नहीं, बल्कि ''व्यवस्था और निर्माताओं'' को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस तेलुगु फिल्म को लेकर उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब दर्शकों के एक वर्ग ने फिल्म के कैमरा वर्क, संवादों और राम चरण तथा जाह्नवी कपूर के बीच के रोमांटिक दृश्यों के जरिए 'महिलाओं के वस्तुकरण' की आलोचना की। हयाती ने रविवार को अपने एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, ''मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि आज हम सब इस विषय पर बात कर रहे हैं कि अभिनेत्रियों के किरदार कैसे लिखे जाते हैं। जिस किरदार का प्रस्ताव दिया गया, उसे निभाने के बाद अभिनेत्री को ही दोषी ठहराना स्वाभाविक प्रतिक्रिया बन गई है।'' उन्होंने कहा, ''अभिनेत्री को दोष मत दीजिए,

बल्कि उस व्यवस्था और निर्माताओं को जिम्मेदार ठहराइए जो वास्तव में सोचते हैं कि यही सब (सिनेमा में) बिकता है... और हम कलाकारों को जो भी अवसर मिलते हैं, हम उसी के दायरे में काम करते हैं ताकि कुछ बड़ा कर सकें और इस उम्मीद में रहते हैं कि हमें बड़ी फिल्मों में काम करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।''

हयाती ने कहा, ''दुर्भाग्य से, हम जो देखते हैं उसी पर विश्वास कर लेते हैं। कोई नहीं जानता कि फिल्म निर्माण में क्या-क्या शामिल होता है; यह किसी एक व्यक्ति की पसंद नहीं होती, लेकिन हम सभी सर्वसम्मति से यह बात रख सकते हैं कि हम बेहतर अनुभव और बेहतर फिल्म निर्माण के हकदार हैं।'' जाह्नवी कपूर ने 'पेद्दी' में अपनी भूमिका से जुड़े इस विवाद पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रामीण आंध्र प्रदेश (1980 के दशक) की पृष्ठभूमि पर आधारित 'पेद्दी' एक निम्न वर्ग के ग्रामीण (राम चरण) की यात्रा को दर्शाती है, जो अपने समुदाय के लिए पहचान और सम्मान हासिल करने के लिए कुश्ती का सहारा लेता है। चार जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

शुद्ध भाव से ही भगवान और भक्त की पहचान होती है : कथावाचक युगलशरण

भगवान जगन्नाथ दरबार की आकर्षक झांकी सजाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा में कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए तीसरे दिन रविवार को कहा कि मनुष्य को कभी क्रोध नहीं करना चाहिए। क्रोध मनुष्य के जीवन का पतन करता है। भक्तों की भक्ति से भगवान बहुत प्रसन्न होते हैं। भगवान ही है जो मनुष्य को मुक्ति प्रदान करते हैं। कथा वाचक ने जब राजा प्रताप की कथा सुनाते हुए कहा कि जब राजा अपने ईष्ट जगन्नाथ भगवान के दर्शन करने के लिए आए तो उन्होंने भगवान को सिंहासन पर फटे हुए कपड़े में बैठे हुए देखा और दर्शन दिए। राजा ने कुपित होकर भगवान की खस्ता हालत देखकर पुजारियों को दंड देने को कहा। तब भगवान जगन्नाथ ने राजा से कहा कि मेरी यह हॉलत खेत में जाने से कांटों में अटक जाने के कारण हुई है, इसमें पुजारियों का कोई दोष नहीं। भगवान ने कहा कि कपड़ों से किसी की पहचान नहीं होती, भाव शुद्ध व अच्छे होने चाहिए। शुद्ध भाव से ही भगवान व भक्त की पहचान होती है। भगवान एक ही है, बस रूप अलग-अलग है।

कथा वाचक ने कहा कि भगवान के रूप अनेक हैं पर स्वरूप एक ही है। आप किसी भी भगवान प्रतिरूप की पूजा करें पर भाव के साथ भक्ति करें। भगवान कभी जगन्नाथ, तो कभी श्रीकृष्ण, कभी पंढरीनाथ तो कभी बालाजी के रूप में दर्शन देते हैं। भगवान हमेशा भक्तों के वश में होते हैं। गौड़ीया वैष्णवाचार्य ने भगवान जगन्नाथ के प्राकट्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु का अवतरण केवल किसी एक युग या क्षेत्र विशेष के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण हेतु लेते हैं। भगवान जगन्नाथ का स्वरूप हमें यह संदेश देता है कि ईश्वर सभी भेदभावों से परे हैं और अपने भक्तों को समान प्रेम प्रदान करते हैं। इस मौके पर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व देवी सुभद्रा की मनमोहक झांकी ने सभी का मन मोह लिया। कथा वाचक द्वारा प्रस्तुत भजन बीत जाए सारी उमरिया, श्याम सुंदर को अपना बना लें का श्रोताओं ने झूम झूम कर आनन्द लिया। कथा में माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधि मंडल उपस्थित थे। महासभा से आए अतिथियों में श्यामसुंदर सोनी, त्रिभुवनदास काबरा, राजकुमार कालिया, बाबूलाल मोहता एवं कृष्ण भंसाली प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने कथा श्रवण कर महाराजश्री से आशीर्वचन प्राप्त किया। स्थानीय माहेश्वरी समाज के नंदकिशोर राठी, गौरीशंकर सारडा, रामगोपाल मूंदड़ा, विनीत बिहानी, जगदीश गिलड़ा, सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनों ने कथा का श्रवण किया। महिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री शोभा भूतड़ा व अन्य सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली। कल्पना बाहेती ने सभी को धन्यवाद दिया।

दो दिवसीय श्याम जागरण व निशान यात्रा उत्सव 25 जुलाई से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्याम निस्वार्थ परिवार द्वारा 25 जुलाई से दो दिवसीय श्याम जागरण व निशान यात्रा उत्सव का आयोजन बन्नरघट्टा रोड स्थित मूकाम्बिका देवस्थान सभागार में किया जाएगा। उत्सव के पहले दिन दोपहर में मेहंदी उत्सव व रात्रि में विशाल श्याम जागरण का शुभारंभ होगा। इस आयोजन में प्राचीन सूरजगढ़ धाम के महंतश्री मनोहरलाल इंदौरिया का विशेष सान्निध्य प्राप्त होगा। दूसरे दिन सुबह कार्यक्रम स्थल से निशान पूजन के पश्चात श्याम मंदिर तक निशान यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को मूकाम्बिका देवस्थान में श्यामभक्तों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें उपस्थित जनों ने तन, मन एवं धन से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में श्याम सेवा संघ, श्याम सखा परिवार, श्याम भक्त मंडल, दादी धाम प्रचार समिति, जीणमाता के दीवाने, श्याम कृपा परिवार, श्याम पावन कीर्तन मंडल, सुन्दरकांड समिति, सालासर समिति, दादी धाम सहित अनेक संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

बाफना परिवार जैन संघ की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बाफना परिवार जैन संघ कर्नाटक की कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को संघ के अध्यक्ष हस्तीमल बाफना ने अध्यक्षता में हुई। बैठक में ओसिया तीर्थ यात्रा, युवा व महिला संघ के गठन सहित स्नेह मिलन कार्यक्रम पर चर्चा हुई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए। आगामी स्नेह मिलन कार्यक्रम के लाभार्थी के रूप में विजयराज तगतराज बाफना परिवार के नाम की घोषणा हुई। बैठक का संचालन करते हुए संघ के सचिव रोशनलाल बाफना ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। संघ के संरक्षक मोहनलाल बाफना ने धन्यवाद दिया।

सृजन, संस्कृति और संवेदना का त्रिवेणी संगम बना 'भाषा' का वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच का छठा वार्षिकोत्सव आनलाइन माध्यम से दो सत्रों में संपन्न हुआ। विभिन्न सत्रों का संचालन क्रमशः डॉ. शैलजा रोला एवं ज्योति तिवारी ने किया। शोभा सतीश पाठक ने सरस्वती वंदना की। मुख्य अतिथि के रूप में मंजू श्रीवास्तव उपस्थित थीं। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। सह-संयोजक डॉ. वत्सला किरण ने मंच की वार्षिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में विजया स्याल का नृत्य, सुदेश वत्स एवं भगवती सक्सेना की संवेदनशील नाटिका स्पर्श, त्रिशला मिश्रा द्वारा प्रस्तुत यक्षिणी-मेघ संवाद (मेघदूत आधारित एकालाप), गीता चौबे का भोजपुरी लोकगीत, पूनम कतरियार का मगही गीत, वीणा सरीन का जापान यात्रा संस्मरण तथा प्रवीणा कुलश्रेष्ठ एवं सुषमा कुलश्रेष्ठ की हास्यपूर्ण नोकझोंक की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वार्षिकोत्सव में डॉ. भूमिका श्रीवास्तव, अचला प्रवीण, डॉ. मंजिरी पाठक, मनीषा शर्मा, डॉ.सीमा भाँति, लता शाह, राजेश्वरी, डॉ. संध्या जवली, ज्योति तिवारी, जागृति शंकर, प्रीति राही, डॉ. शैलजा रोला ने अपनी प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि डॉ. वाणीश्री बुग्गी ने कहा कि यह आयोजन उन्हें एक आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर रहा है तथा मंच प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति देने का उत्कृष्ट माध्यम है। अध्यक्षीय उद्बोधन में मंजू श्रीवास्तव व चंदा प्रहलादका ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए मंच की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की। अंत में सुषमा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

पार्क वेस्ट अपार्टमेन्ट में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विवेक मिलन एवं एकता मिलन संस्था के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता के साथ बिन्नीपेट स्थित पार्कवेस्ट अपार्टमेन्ट में रविवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर अपार्टमेन्ट में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली तथा पर्यावरण जागरूकता संबंधी संदेश दिए। रैली के साथ टावर-स्तरीय स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर हाउसकीपिंग एवं बागवानी कर्मचारियों का सम्मान किया गया। पार्कवेस्ट अपार्टमेन्ट में हरित क्षेत्र बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विद्यार्थियों को बांटी नि:शुल्क पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के सदस्यों ने रविवार को कॉटनपेट स्थित पूर्वी प्लाज़ा प्रांगण में लगभग 400 जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य व अध्ययन सामग्री का वितरण किया। मंडल के अध्यक्ष वसंत जैन ने मंगलाचरण कर सभी का स्वागत किया। चेयरमैन देशमल पटियात ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें लगन एवं परिश्रम के साथ अध्ययन करने की सलाह दी।कहा कि यह पाठ्य सामग्री केवल नोटबुक नहीं है, बल्कि आपके लिए ज्ञान और उज्ज्वल भविष्य के लिए दिया गया एक उपहार है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नोटबुक, पेन, पेंसिल तथा अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री से युक्त 'पाठ्य सामग्री किट' का वितरण किया गया।

जैन संतों की सुरक्षा हेतु प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सकल जैन समाज, हुब्बल्ली द्वारा देशभर में पदयात्रा के दौरान जैन संतों एवं साध्वियों के साथ हो रही सड़क दुर्घटनाओं तथा लगातार बढ़ रही आकस्मिक मौत की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए धारवाड़ की जिलाधिकारी स्नेहल आर. को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। जैन समाज के महेंद्र सिंघी, गौतम भुरट, शैलेश जैन, विमल तालिकोटि, संतोष पाटिल, संतोष डूमावत, नीलेश जैन, सुभाष डंक सहित अनेक समाज सदस्यों ने ज़िलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि जैन संत एवं साध्वियां अहिंसा, त्याग एवं तपस्या के सिद्धांतों का पालन करते हुए नंगे पैर पदयात्रा करते हैं तथा समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों का संदेश प्रसारित करते हैं किंतु हाल के वर्षों में राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर उनके साथ हुई दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाएं अत्यंत चिंताजनक एवं दुखद हैं। ज्ञापन में संतों की सुरक्षा के लिए मांग की गई।

जीतो के 'सेवा संगम' उत्सव से लाभान्वित हुए 200 साधु साध्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग, अपेक्स व केकेजी जोन के सहयोग से सेवा वर्टिकल के अंतर्गत पालीताणा तीर्थ में नवरत्न धाम, तलेटी रोड व केसरिया मंदिर के पास शुक्रवार व शनिवार को वैयावच्च भक्ति के उत्सव सेवा संगम' का आयोजन किया गया। केकेजी जोन लेडीज विंग संयोजिका पिंकी जैन, साउथ की लेडीज चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, मुख्य सचिव निधि पालरेचा, डायरेक्टर-इन-चार्ज सोनाली दुगड़ एवं अपेक्स की चेयरपर्सन शीलता दुगड़ आदि ने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। वैयावच्च भक्ति के अंतर्गत साधु साध्वियों को उनके विहार एवं दैनिक आवश्यकताओं हेतु वस्त्र, पूंजनी, औषधियाँ, बर्तन, घड़ियाँ तथा अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई तथा दोनों दिन गोचरी (भोजन प्रसादी) की विशेष व्यवस्था की गई। इस सेवा संगम में 200 से अधिक साधु साध्वियों की सेवा की गई। सभी सदस्याओं ने शंखेश्वर तीर्थ के दर्शन भी किए। सेवा संगम की संयोजिका लता बोहरा, वनीता बच्छावत व उनकी टीम ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

मारवाड़ी सम्मेलन संस्था की 'वैकुण्ठ रथ सेवा' का हुआ लोकार्पण

1 जुलाई से नि:शुल्क उपलब्ध होगी अंतिम यात्रा सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन संस्था द्वारा पार्थिव शरीर को शवगृह तक ले जाने वाली 'वैकुण्ठ रथ सेवा' वाहन का लोकार्पण समारोह रविवार को एक होटल में किया गया। यह सेवा आगामी 1 जुलाई से समाज के सभी वर्गों के लिए पूर्णतः नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के पदाधिकारियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है, किंतु किसी व्यक्ति की अंतिम यात्रा भी उतनी ही सम्मानजनक और गरिमामय होनी चाहिए जितना उसका संपूर्ण जीवन। ऐसे कठिन और भावनात्मक क्षणों में शोकाकुल परिवारों को सहयोग प्रदान करना केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि सच्ची मानव सेवा है। वैकुण्ठ रथ सेवा इसी भावना का मूर्त स्वरूप है, जो दु:ख की घड़ी में परिवारों के लिए संबल बनकर खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों ने मारवाड़ी सम्मेलन की सेवा परंपरा की सराहना की।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष अरुण खेमका, अध्यक्ष पंकज जालान तथा सचिव स्नेह कुमार जाजू सहित कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत सराफ, अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल एवं सचिव शिवकुमार टेकरीवाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। वैकुण्ठ रथ सेवा परियोजना के सलाहकार एवं चेयरमैन सुरेन्द्र गोयल, डायरेक्टर मनीष अग्रवाल तथा संयोजक अशोक अग्रवाल ने परियोजना की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह सेवा बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचेगी। कार्यक्रम में विभिन्न सभा संगठनों के प्रतिनिधि सहित सम्मेलन के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ उद्योगपति चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया, सतीश मित्तल, सुशीला गोयल, बिमल सरावगी, रेवतमल झंवर, रमेश भाऊवाला, संजय जाजोदिया, विनोद जगनानी आदि उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com